- 20th Year
- Issue: 175
- 03.11.2026 (TUESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH



राहुल गांधी संसद में बहस से भागेंगे, संसद के विशेष सत्र पर बोले अमित शाह

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को देशव्यापी %स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन% (स्ङ्क) अभियान का विरोध करने को लेकर कांग्रेस पर एक और निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है, लेकिन साथ ही जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (ङ्क्षछक्क) यह सुनिश्चित करेगी कि मतदाता सूची से एक-एक घुसपैठिये को हटा दिया जाए। हैदराबाद में पार्टी की %लोकतंत्र बचाओ% पदयात्रा के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने स्पष्ट किया कि चुनावों में केवल भारत के नागरिकों को ही वोट डालने



की अनुमति होगी। उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हुए इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और इसे %घुसपैठियों को बचाओ कार्यक्रम करार दिया। शाह ने सवाल किया कांग्रेस पार्टी फर्जी वोटिंग के जरिए चुनावों पर कज़्ज़ा करना चाहती है। अगर किसी एक व्यक्ति के पास दो वोट हैं, तो ज़्या उनमें से एक को रद्द नहीं किया जाना चाहिए? उन्होंने आगे कहा अब आते हैं राहुल बाबा के पेट दर्द के असली कारण पर। तीन करोड़ वोट ऐसे हैं, जिनके मालिक असल में मौजूद ही नहीं हैं। ये बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि गांधी इसमें हिस्सा नहीं लेंगे, ज़्योंकि वे नहीं चाहते कि सदन चले। उन्होंने कहा कि गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस भारत में अराजकता जैसी स्थिति पैदा करना चाहती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर संसद की कार्यवाही चलती है, तो बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष के नेता हार जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस को एक ऐसी पार्टी बताया जो वेंटिलेटर पर है और सवाल किया कि ज़्या वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ मैराथन दौड़ सकती है। उन्होंने गांधी पर तंज कसते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस नेता को तो भाजपा के तेलंगाना युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी हरा देंगे। गांधीनगर से लोकसभा सांसद ने पूछा, राहुल जी, अगर श्वङ्करू में खराबी है, तो आपके रेवंत रेड्डी मुज़्यमंत्री कैसे बन गए? केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश में आपकी सरकार कैसे सज़ा में आई? अगर श्वङ्करूइतनी ही खराब हैं, तो आपको पद की शपथ ही नहीं लेनी चाहिए थी। जब आप जीतते हैं, तो इसका श्रेय जनता को देते हैं, लेकिन जब हारते हैं, तो श्वङ्करू को दोष देते हैं। आपने देश पर 10 साल तक शासन किया और इस दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों, कांडों और भ्रष्टाचार में शामिल रहे।

नितिन नबीन का कांग्रेस और राजद पर हमला, एसआईआर प्रक्रिया पर झूठ फैलाने का लगाया आरोप

भागलपुर ०२/११ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर बिहार के लोकतांत्रिक जनादेश का अपमान करने और जनता द्वारा नकारे जाने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। 2 नवंबर को भागलपुर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ% मार्च को संबोधित करते हुए, नवीन ने कहा कि अब विपक्षी नेताओं को निर्णायक रूप से हराने का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की निर्धारित प्रक्रिया के दौरान कोई आपज़ि नहीं जता पाए और अब वे गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की लोकतंत्र की इस पवित्र भूमि से यह संदेश मिलता है कि अब इन विपक्षी नेताओं को निर्णायक रूप से हराने का समय आ गया है। अगर कांग्रेस पार्टी अभी भी



सबक नहीं सीखती है, तो जनता उन्हें ऐसा सबक सिखाएगी और उनकी ऐसी करारी हार सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में कांग्रेस का नाम लेने वाला भी कोई नहीं बचेगा। नबिन ने आगे कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस जनादेश का अपमान करना, खुद बिहार की जनता का अपमान करने के बराबर है।

स्ङ्क प्रक्रिया की आलोचना पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े दावे और आपज़ियां दर्ज कराने के लिए 60 दिन का समय दिया गया था, जिसका कांग्रेस और ङ्क्षछ ने कोई उपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि आज जब ङ्क्षछक्क और ह्यष्ठ गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में पदयात्रा निकाल रहे हैं, तब विपक्ष - जो कल दिल्ली के रामलीला मैदान में दिखा था - झूठ के बीज बोने में व्यस्त था। स्ङ्क प्रक्रिया की शुरुआत यहीं बिहार से हुई थी, और कल विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे ही कई झूठ फैलाने में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक औपचारिक प्रक्रिया है- मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के संबंध में दावे और आपज़ियां दर्ज कराने के लिए पूरे 60 दिनों का समय दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस और ङ्क्षछ के पास इतने कम कार्यकर्ता थे कि कोई भी शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आया। अपनी चिंताओं को उठाने के लिए हर स्तर पर मिले मौकों का इस्तेमाल करने के बजाय, उन्होंने केवल दिखावटी आंसू बहाना चुना। और जब पूरी स्ङ्क प्रक्रिया पूरी हो गई, तो उनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं बचा था।

राजनाथ सिंह ने नए आईएएफ चीफ आशुतोष दीक्षित को दी बधाई, नेतृत्व क्षमता को सराहा

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नवनियुक्त वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित से मुलाकात की और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। सिंह ने एयर चीफ मार्शल दीक्षित को एक बेहतरीन वायु योद्धा बताया, जो अपने शानदार नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। रक्षा मंत्री ने %ङ्क% पर लिखा कि नवनियुक्त वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित से मुलाकात की। वे एक बेहतरीन वायु योद्धा हैं, जो अपने शानदार नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। मैं उनके आगामी कार्यकाल के बहुत सफल रहने की कामना करता हूँ। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अज़्टूबर 2026 को 29वें %चीफ ऑफ द एयर स्टाफ% के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया, जो 42 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृज़ हुए। रविवार को, एयर चीफ मार्शल दीक्षित ने वायु विजन के तहत भारतीय



वायु सेना के लिए अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रहने, स्वीकृत लड़ाकू क्षमता को बहाल करने, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को विकसित करने, तकनीकी नवाचार और सशस्त्र बलों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र, एयर चीफ मार्शल दीक्षित 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए। चार दशकों के अपने करियर में, उन्होंने ऑपरेशंस, ज़्लाइट टेस्टिंग, क्षमता विकास और जॉइंट स्टाफ असाइनमेंट्स में व्यापक अनुभव हासिल किया है। एक कुशल फाइटर पायलट, क्वालिफाइड ज़्लाइंग इंस्ट्रज़्टर और एज़्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट के रूप में, एयर चीफ मार्शल दीक्षित ने मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करणों, जगुआर और कई ट्रांसपोर्ट विमानों सहित विभिन्न प्रकार के विमानों पर 3,300 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव प्राप्त किया है।उन्हें भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण में योगदान के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। उन्होंने जगुआर और मिग-27 अपग्रेड प्रोजेज़्ट्स को अंतिम रूप देने, तथा LCA Mk-I तेजस के लिए इनिशियल ऑपरेशनल ज़्लीयरेंस और फाइनल ऑपरेशनल ज़्लीयरेंस की प्रक्रियाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है।

मुजफ्फरपुर में पीएनजी पाइपलाइन फटने से धमाका, एक की मौत, छह घायल

मुजफरपुर ०२/११ (संवाददाता): बिहार में मुजफरपुर जिले के गोबरसही-डुमरी इलाके में सोमवार को 'पाइप्ड नेचुरल गैस' (पीएनजी) की पाइपलाइन से गैस रिसाव के बाद भीषण विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब एक बजे सदर थानाक्षेत्र के गोबरसही-डुमरी इलाके में पाइपलाइन के पास जेसीबी मशीन से काम किया जा रहा था, इसी दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से गैस का रिसाव होने लगा और फिर जोरदार विस्फोट हुआ।

स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज करीब तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। मुजज़्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव ने संवाददाताओं से कहा, ''पीएनजी पाइपलाइन से गैस रिसाव के कारण विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ।

सभी घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने और यदि संबंधित अधिकारियों की कोई जिज़्मेदारी बनती है तो उसे निर्धारित करने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में पास स्थित चार मंजिला इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है, जबकि 100 मीटर के दायरे में स्थित कई मकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन के दल मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: दिल्ली-एनसीआर में सात व आठ नवंबर को केवल ग्रीन पटाखे की अनुमति

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-ह्यष्ठक्रमें 7 और 8 नवंबर, 2026 को कुछ समय-सीमा और अन्य शर्तों के साथ %ग्रीन पटाखे% जलाने की अनुमति दी है। अदालत ने कहा कि 15 अज़्टूबर, 2025 के अपने पिछले आदेश के अनुसार, पटाखे केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच और रात 8 बजे से 10 बजे के बीच ही जलाए जा सकेंगे। यह अनुमति ऐसे समय में मिली है जब दिल्ली की हवा की गुणवज़ा पहले ही खराब होने लगी है और दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर और बढ़ने की आशंका है।

सोमवार सुबह 9 बजे राष्ट्रीय राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेज़्स 312 दर्ज किया गया, जो इस सीजन में पहली बार बहुत खराब श्रेणी में पहुंच





गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और साइलेंस ज़ोन (शांत क्षेत्र) के रूप में अधिसूचित जगहों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे।

इन इलाकों और शैक्षणिक संस्थानों को नो-क्रैकर ज़ोन (पटाखा-मुक्त क्षेत्र) घोषित किया जाएगा। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि इन क्षेत्रों को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाए और इनके बारे में लोगों को जानकारी दी जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-NCR के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अवैध और पारंपरिक पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल को रोकने के लिए कदम उठाएं। अदालत ने फिर दोहराया कि बेरियम युक्त पटाखों, और ऐसे पटाखों जिन्हें CSIR-NEERI द्वारा ग्रीन क्रैकर्स% के रूप में मंजूरी नहीं मिली है, उनके इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।

जयराम रमेश का भाजपा पर वार, राहुल गांधी की अपील पर दिल्ली के बाजारों में बढ़ा व्यापार

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी गठबंधन इंडिया की CEC-विरोधी रैली के बाद, सज़ाधारी पार्टी का प्रचार बेअसर हो गया है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से स्थानीय व्यवसायों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। %ङ्क% पर एक पोस्ट में, रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा रैली को बदनाम करने के लिए व्यापारियों को नुकसान होने और बाजार बंद होने का डर फैला रही थी, ताकि लोग राष्ट्रीय राजधानी आने से बचें। उन्होंने कहा कि यह तो जाहिर सी बात है कि देश भर से आने वाले लोग खरीदारी भी



करेंगे।उन्होंने कहा कि दिल्ली में चल रहे हर कारोबार को, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, फायदा होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस झूठे और बेतुके दुष्प्रचार अभियान का मकसद वोट चोरी के मुद्दों से ध्यान भटकाना और मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाना था। उन्होंने कहा कि लेकिन बिल्कुल उल्टा हुआ। दिल्ली के लोगों और देश भर से आए लोगों ने इस दुष्प्रचार का जवाब अपने तरीके से दिया। राहुल गांधी जी की अपील पर, लोग दिल्ली के बाजारों में खरीदारी करने निकले। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में दुकानें खुलीं और कारोबार में तेजी आई। एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अखबारों की रिपोर्टें ही इस झूठे नैरेटिव की पोल खोल रही हैं। व्यापारियों, दुकानदारों और दिल्ली के निवासियों को धन्यवाद देते हुए रमेश ने कहा कि उन्होंने इस अपील को अपनाया और लोकतांत्रिक विरोध के साथ-साथ स्थानीय कारोबार का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी को यह समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र की आवाज को डर या दुष्प्रचार के जरिए दबाया नहीं जा सकता।

भाजपा से गठबंधन पर सुखबीर बादल बोले, कुछ ही दिनों में स्थिति हो जाएगी साफ

चंडीगढ ०२/११ (संवाददाता): शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने अगले साल की शुरूआत में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ संभावित गठजोड़ की अटकलों पर सोमवार को सधी हुई प्रतिक्रिया दी और संकेत दिया कि कुछ ही दिनों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। बादल ने भाजपा के साथ फिर से गठजोड़ की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मैं कोई पंडित तो हूं नहीं। कुछ ही दिनों में पता चल जाएगा कि ज़्या होने वाला है।'' हालांकि, उन्होंने एक बार फिर यह कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को छोड़कर, वह उन अन्य दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं जिन्हें उनकी पार्टी की विचारधारा



पसंद है।

बादल ने कहा, ''मैंने कहा था कि दो राजनीतिक दल पंजाब के दुश्मन हैं - कांग्रेस और झाड़ू वाले (आप)। इनके अलावा, हम उन दलों के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं जो पंजाब के हित में काम कर रहे हैं और जिनकी विचारधारा हमारी विचारधारा से मेल खाती है।'' पिछले महीने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि 2027 में पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनेगी। इस बयान के बाद, पुराने सहयोगी दलों - शिअद और भाजपा - के फिर से एक साथ आने के कयास लगाये जा रहे हैं।

हालांकि, भाजपा की पंजाब इकाई के नेताओं का कहना है कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के दो विधायकों के पार्टी छोड़ने से जुड़े एक सवाल के जवाब में, बादल ने कहा कि आने वाले दिनों में कई और नेता पार्टी छोड़ देंगे। उन्होंने दावा किया कि मुज़्यमंत्री भगवंत मान अपनी धूरी सीट से चुनाव हार जाएंगे।

उन्होंने आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''लोग उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने बहुत लूट-खसोट की है।''

सोमवार को, किसान संगठन भारतीय किसान यूनियन (कादियान) ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए शिअद को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है। बीकेयू (कादियान) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कादियान ने बादल की मौजूदगी में यह घोषणा की।

यह किसान संगठन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का हिस्सा है। अगस्त की शुरुआत में, जब बादल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की थी, तब इससे ये अटकलें शुरू हो गईं कि यह क्षेत्रीय पार्टी फिर से भाजपा के साथ हाथ मिला सकती है। शिअद ने सितंबर 2020 में, तीन कृषि कानूनों (रद्द किये जा चुके) को लेकर भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ लिया था। पंजाब विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने हैं। हाल के महीनों में, प्रदेश भाजपा के कई नेताओं ने कहा है कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में, 117 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने दो सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि शिअद के खाते में तीन सीट आई थी।



विविध समाचार



सीईसी ज्ञानेश कुमार पर चले देशद्रोह का केस, इंडिया गठबंधन ने पद से हटाने की मांग की

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने मुज़्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए ज़्योंकि उन्होंने ''राष्ट्रीय और राज्यों के चुनावों को चुराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा रची गई आपराधिक साजिश'' में भाग लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुमार को आरोपी बनाने संबंधी 'प्रस्ताव' प्रतीकात्मक ''जन महाभियोग'' कार्यक्रम में रखा। विपक्ष ने चुनावी अनियमितताओं और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेर मुज़्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ यह कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रस्ताव में कहा गया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों ने उसमें उल्लिखित ''आरोपों'' के आधार पर कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाने का संकल्प लिया है। पहले आरोप में विपक्षी गठबंधन ने दावा किया कि मुज़्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने ''राष्ट्रीय और राज्यों के चुनावों को चुराने के लिए भाजपा द्वारा रची गई द्वेषपूर्ण और दुर्भावनापूर्ण आपराधिक साजिश'' की निगरानी की और उसमें भाग लिया। इसमें आरोप लगाया गया कि कुमार ने ''जानबूझकर कानून के शासन को तोड़ा और उन्हें मतदाता सूचियों तक पहुंच बनाने, मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम हटाने एवं जोड़ने तथा चुनाव परिणामों में हेरफेर करने की अनुमति दी।'' प्रस्ताव में कहा गया, ''वह चुनावी प्रक्रिया पर पहले से सुनियोजित हमले को अमल में लाने के दोषी हैं, जबकि यही प्रक्रिया भारत के लोकतंत्र की बुनियाद है।

यह एक आपराधिक कृत्य और राष्ट्र तथा भारत के संविधान के खिलाफ देशद्रोह का कृत्य है।'' लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय उपाध्यक्ष की भूमिका में थे। खरगे के अलावा कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, जयराम रमेश तथा के. सी. वेणुगोपाल समेत अन्य नेता ''जन महाभियोग'' कार्यक्रम में मौजूद थे। यह कार्यक्रम यहां



विपक्ष की रैली से एक दिन पहले आयोजित किया गया।

इसके अलावा विपक्षी गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के कई सांसद और नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इनमें सपा सांसद धर्मेंद्र यादव और तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन शामिल थे। भाजपा ने विपक्ष पर मतदाताओं का विश्वास जीतने में विफल रहने के बाद अराजकता का सहारा लेने और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने का आरोप लगाया है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने शनिवार को पारित प्रस्ताव में मुज़्य निर्वाचन आयुक्त पर मतदाता सूचियों के ''हेरफेर वाले, अधूरे और विनाशकारी'' एसआईआर के लिए सीधे तौर पर जिज़्मेदार होने का आरोप भी लगाया। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया, ''उन्होंने 13.2 करोड़ मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाना सुनिश्चित किया और उन्हें भारत के संविधान द्वारा प्रदज़ मतदान के मौलिक अधिकार से ऐसे तरीके से वंचित किया, जो पक्षपातपूर्ण, अपारदर्शी और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है।'' इसमें कहा गया कि यह एक आपराधिक कृत्य और राष्ट्र तथा भारत के संविधान के खिलाफ देशद्रोह का कृत्य है। विपक्षी गठबंधन ने मुज़्य निर्वाचन आयुक्त पर संसद की निगरानी या जानकारी के बिना निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के फॉर्म-6 में ''गैरकानूनी तरीके से'' संशोधन करने का भी आरोप लगाया।

प्रस्ताव में इसे ''पहली बार मतदाता बनने वालों के पंजीकरण को रोकने और उनसे संविधान द्वारा प्रदज़ मतदान का मौलिक अधिकार छीनने की आपराधिक साजिश'' करार देते हुए कहा गया कि इससे भारतीय नागरिक के रूप में उनके अधिकार निष्प्रभावी हो जाते हैं। विपक्षी गठबंधन ने यह भी आरोप लगाया कि कुमार ने मतदाताओं के नाम हटाने और स्थानीय निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को वैध मतदाताओं के नाम जोड़ने से रोकने के उद्देश्य से ईआरओनेट/ईसीआईनेट सॉज़्टवेयर का ''दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल'' करके मतदाता सूचियों पर नियंत्रण को निर्वाचन आयोग में ''गैरकानूनी तरीके से केंद्रीकृत'' किया। इसमें कहा गया, ''यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की उस प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने का आपराधिक प्रयास है, जिस पर भारत का लोकतांत्रिक ढांचा टिका है।''

विपक्षी गठबंधन ने दावा किया कि मुज़्य निर्वाचन आयुक्त ने निर्वाचन आयोग में सात सहयोगियों के साथ मिलकर जानबूझकर कानून का उल्लंघन किया और अन्य दो निर्वाचन आयुक्तों को निर्णय प्रक्रिया से ''जानबूझकर और गैरकानूनी तरीके से बाहर रखा'', जिसके कारण उन्हें कम से कम 14 आपज़ियां रिकॉर्ड पर दर्ज करानी पड़ीं।

प्रस्ताव के अनुसार, मुज़्य निर्वाचन आयुक्त ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने तथा भारत के संविधान को कायम रखने के लिए स्वतंत्र रूप से कार्य करने के अपने संवैधानिक दायित्व का ''उल्लंघन'' किया है। विपक्षी गठबंधन ने मुज़्य निर्वाचन आयुक्त पर विपक्ष को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर नहीं देने का भी आरोप लगाया। प्रस्ताव में कहा गया, ''सज़ारूढ़ भाजपा के प्रति इस शर्मनाक अनुपालन के बदले ज्ञानेश कुमार के परिवार के कई सदस्यों को लाभ और सुविधाएं मिली हैं, जिनमें महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां और पारिश्रमिक के अभूतपूर्व अवसर शामिल हैं।'' इसमें आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर अपने ''संवैधानिक दायित्व के विरुद्ध खुलेआम काम करके'' ज्ञानेश कुमार ने भारत के लोगों के भरोसे और विश्वास को तोड़ा है।

प्रस्ताव में कहा गया, ''उन्होंने जानबूझकर कानून के शासन को कमजोर किया और लोकतांत्रिक तरीके से कराए गए चुनावों के परिणामों में हेरफेर तथा उन्हें गलत साबित करने की आपराधिक साजिश में भाग लिया। ये चुनाव भारत के लोकतंत्र की आधारशिला हैं।'' विपक्षी गठबंधन ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा मुज़्य निर्वाचन आयुक्त कुमार को प्रदान किया गया आजीवन कानूनी संरक्षण राष्ट्र और भारत के संविधान के खिलाफ उनके द्वारा की गई आपराधिक गतिविधियों को संरक्षण देने के उद्देश्य से था और उन्हें तत्काल पद से हटाया जाना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया, ''भारत की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले 'इंडिया' (जनबंधन) के सांसद और 31 अज़्टूबर 2026 को नयी दिल्ली में एकत्र नागरिक संकल्प लेते हैं कि भारत के लोगों के साथ इस गंभीर विश्वासघात के लिए मुज़्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भारत के संविधान के कानूनी ढांचे के अनुरूप अदालत में देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए।'' इस प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए राष्ट्रीय जनता दल के सांसद अभय कुशवाहा और कुछ अन्य सांसदों ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने के साथ उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए।

'स्वराज अभियान' के प्रमुख योगेंद्र यादव ने कहा कि ज्ञानेश कुमार मुज़्य निर्वाचन आयुक्त नहीं, बल्कि ''मुज़्य चुनाव अभियुक्त'' हैं।

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने संभाली आईएएफ की कमान

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): भारतीय वायुसेना की कमान अब नए योद्धा के हाथों में आ गयी है और इसी के साथ ही दुश्मनों के लिए भारत का सैन्य संदेश पहले से कहीं ज्यादा सज़्त हो गया है। हम आपको बता दें कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह 42 वर्षों की गौरवशाली सैन्य सेवा के बाद आज सेवानिवृज़ हो गए और उनके स्थान पर एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभाल ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल रहे आतंकवादी नेटवर्क को भारत की सैन्य ताकत का अहसास कराने वाले एपी सिंह अपने पीछे साहस, रणनीतिक सूझबूझ और निर्णायक सैन्य कार्रवाई की विरासत छोड़ गए हैं। अब इस विरासत को आगे बढ़ाने की जिज़्मेदारी आशुतोष दीक्षित के कंधों पर है।

हम आपको बता दें कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की विदाई बेहद गरिमामय सैन्य परंपराओं के साथ हुई। पदभार छोड़ने से पहले उन्होंने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली में वायुसेना के जांबाज एयर वॉरियर्स ने उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर विदाई दी। यह सलामी केवल एक अधिकारी को दी गई विदाई नहीं थी, बल्कि चार दशकों से अधिक समय तक देश के आसमान की सुरक्षा में समर्पित रहे एक सैन्य नेतृत्वकर्ता के प्रति सज़्मान का प्रतीक थी। हम आपको यह भी बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी 30 अज़्टूबर को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह से मुलाकात कर उनके असाधारण नेतृत्व, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान की सराहना की थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन और भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। रक्षा मंत्री ने उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। देखा जाये तो एपी सिंह के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलज़्धियों में ऑपरेशन सिंदूर को विशेष



रूप से याद किया जाएगा। 22 अप्रैल 2025 को जज़्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर पूरे देश को झकझोर दिया था। इस कायराना हमले का जवाब भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जज़्मू-कश्मीर में आतंकवादी ढांचे पर निर्णायक हमले किए थे। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहज़्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ प्रमुख आतंकवादी लॉन्चपैड तबाह किए गए और 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए थे।

इस अभियान ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वालों के लिए अब सीमा पार आतंकवाद का खेल पहले जैसा आसान नहीं रहने वाला। भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ने यह संदेश दिया था कि आतंकवाद के संरक्षकों को उनके सुरक्षित ठिकानों में भी जवाबदेह बनाया जा सकता है।

दूसरी ओर, नए वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित अपने साथ लगभग चार दशकों का व्यापक सैन्य अनुभव लेकर आए हैं। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (ह्ष्ट) के पूर्व छात्र दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। उनका जन्म 9 दिसंबर 1966 को हुआ था। एक कुशल फाइटर पायलट, क्वालिफाइड ज़लाइंग इंस्ट्रुज़्टर और एज़्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट के रूप में उनकी पहचान रही है। उन्होंने मिराज-2000, मिग सीरीज के विभिन्न विमानों, जगुआर, किरण, हॉक, तेजस और डूरू-78 जैसे विमानों पर उड़ान भरी है। 20 से अधिक प्रकार के विमानों पर उनका अनुभव उन्हें वायुसेना के सबसे अनुभवी पायलटों में शामिल करता है।

एयर चीफ मार्शल दीक्षित का सैन्य सफर केवल लड़ाकू विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहा। ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों तथा विभिन्न सैन्य अज़्यासों में उनकी भूमिका रही है। वह पश्चिमी सेज़्टर में अग्रिम मोर्चे के एक महत्वपूर्ण फाइटर एयरबेस और दक्षिणी सेज़्टर में प्रतिष्ठित फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान भी संभाल चुके हैं। वायुसेना प्रमुख बनने से पहले वह वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ थे। इससे पहले उन्होंने चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के रूप में और सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर महत्वपूर्ण जिज़्मेदारियां निभाईं। उन्होंने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, बांग्लादेश और नेशनल डिफेंस कॉलेज से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

देखा जाये तो एपी सिंह की विदाई और आशुतोष दीक्षित की ताजपोशी भारतीय वायुसेना की निरंतरता, अनुभव और रणनीतिक मजबूती का प्रतीक है। एक तरफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी क्षमता साबित कर चुके नेतृत्व की विरासत है, तो दूसरी तरफ आधुनिक युद्धक विमानों, रणनीतिक योजना, ज़लाइट टेस्टिंग और संयुक्त सैन्य अभियानों का गहरा अनुभव रखने वाला नया नेतृत्व है।बहरहाल, आसमान की निगरानी करने वाले भारतीय वायुसेना के जांबाजों के लिए नेतृत्व बदल सकता है, लेकिन राष्ट्र की सुरक्षा का संकल्प नहीं। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की जवाबी क्षमता का परिचय दिया था और अब एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित के नेतृत्व में इसी सामरिक शक्ति को और आगे ले जाने की चुनौती है। दुश्मनों के लिए संदेश साफ है। भारत की सुरक्षा को चुनौती देने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भाजपा से २०१९ के बाद बातचीत हमेशा के लिए बंद हो गई-ठाकरे

मुंबई ०२/११ (संवाददाता): शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी की पूर्व सहयोगी भाजपा के साथ बातचीत 2019 में बंद हो गई थी और फिर कभी शुरू नहीं हुई। शिवसेना (उबाठा) सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत की नयी पुस्तक बोध कीर्तन के विमोचन कार्यक्रम में, ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुज़्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दो दिन पहले की गई टिप्पणी का जिक्र किया। एक अन्य पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में फडणवीस ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था कि जब भी उद्धव ने उन्हें फोन किया, उन्होंने हमेशा सकारात्मक जवाब दिया। मुज़्यमंत्री ने कहा, ''वर्ष 2019 के बाद उन्होंने फोन नहीं किया। मैं इंतजार कर रहा था।'' उस विमोचन कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे दोनों मौजूद थे। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने शनिवार के एक कार्यक्रम में कहा, ''कुछ लोगों को फोन आने बंद हो गए... और फिर वे (हमेशा के लिए)



बंद हो गए।'' महाराष्ट्र में 2019 में हुए विधानसभा चुनावों के बाद, अविभाजित शिवसेना मुज़्यमंत्री के पद को लेकर अपने पुराने सहयोगी भाजपा से अलग हो गई। वर्ष 2022 में शिवसेना में टूट होने और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के भाजपा से हाथ मिलाने के बाद, दोनों के बीच रिश्ते और भी ज्यादा खराब हो गए। बोध कीर्तन पुस्तक में राउत के दार्शनिक चिंतन और अनुभव शामिल हैं। इसमें अयोध्या के राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण का भी एक लेख है। कार्यक्रम में, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने एक पत्रकार के रूप में राउत के सफर और चार दशक से भी अधिक समय तक उनके बीच रहे संबंधों का जिक्र किया।

उज़राखंड पुलिस को मिले नए प्रतीक चिह्न और वर्दी, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने किया अनावरण

नयी दिल्ली ०२/११ (संवाददाता): उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राज्य पुलिस के नए गौरव चिह्नों ध्वज, प्रतीक चिह्न, फॉरमेशन साइन, इंसिग्निया, क्रेस्ट ह्न और सेरेमोनियल वर्दी का अनावरण किया। मुज़्यमंत्री ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नए गौरव चिह्नों का अनावरण करते हुए पुलिस अधिकारियों और जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस की पहचान को नया स्वरूप प्रदान करना केवल प्रतीकों और वर्दी में बदलाव करना नहीं है, बल्कि यह पुलिस बल की गौरवशाली परंपराओं, शौर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के मूल आदर्शों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि पुलिस के नए प्रतीक गौरव के साथ-साथ जिज़्मेदारी का भी एहसास कराते हैं। धामी ने कहा, इस नयी पहचान का वास्तविक सज़्मान तभी होगा, जब प्रत्येक नागरिक को पुलिस के व्यवहार में संवेदनशीलता, कार्यप्रणाली में दक्षता और कार्रवाई में निष्पक्षता दिखाई दे। उन्होंने कहा कि उज़राखंड पुलिस को आधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित करने तथा अधिक प्रशिक्षित, दक्ष और सक्षम बनाने को राज्य सरकार प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि उज़राखंड पुलिस का नया ध्येय वाज़्य 'कर्म सत्यं शौर्यज़' कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा और साहस का संदेश देता है। मुज़्यमंत्री ने भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर राज्य पुलिस के नए गौरव चिह्नों के अनावरण का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि यह अवसर राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के संकल्प को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आगामी छह नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उज़राखंड पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से सज़्मानित करेंगे। इस अवसर पर जवान अपनी नयी औपचारिक वर्दी में परेड में हिस्सा लेंगे। राज्य पुलिस के नए प्रतीक चिह्न में अशोक स्तंभ, 'सत्यमेव जयते', स्वर्णिम लॉरेल रीथ, हिमालय और नदी को शामिल किया गया है जो राष्ट्रीय गौरव, सत्य, न्याय, उत्कृष्टता और प्रदेश की विशिष्ट भौगोलिक पहचान के प्रतीक हैं। पहले इस्तेमाल किए जाने वाले तीन रंगों वाले क्षैतिज पुलिस ध्वज की जगह अब गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि वाला नया ध्वज अपनाया गया है। इसके मध्य में नया पुलिस प्रतीक चिह्न और किनारों पर लाल तथा सुनहरे रंग की पट्टियां हैं। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की वर्दी पर लगाए जाने वाले फॉरमेशन साइन, इंसिग्निया और क्रेस्ट को भी नए प्रतीक चिह्न के अनुरूप बनाया गया है।

कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद 780 से अधिक आतंकी ढेर-मनोज सिन्हा

श्रीनगर ०२/११ (संवाददाता): जज़्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से इस केंद्र शासित प्रदेश में आया बदलाव शांति, विकास, समान अधिकारों और सुशासन की ताकत को दर्शाता है। सिन्हा ने यह भी दावा किया कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद आतंकवाद, अलगाववाद और पथराव की जगह लोकतंत्र, विकास और जनभागीदारी ने ले ली है। उपराज्यपाल ने श्रीनगर स्थित 'शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर' (एसकेआईसीसी) में केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया। सिन्हा ने कहा, ''वर्ष 2020 से अब तक 780 से अधिक आतंकवादी मारे जा चुके हैं और



पथराव की घटनाएं पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। अब जज़्मू कश्मीर में सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहा है।'' उपराज्यपाल ने जज़्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जज़्मू-कश्मीर के नागरिकों को बधाई दी और समृद्ध एवं आत्मनिर्भर जज़्मू कश्मीर के निर्माण में किसानों, शिक्षकों, विद्वानों, लेखकों, कलाकारों, शिल्पकारों, व्यापारियों, श्रमिकों, सुरक्षाकर्मियों, युवाओं और महिलाओं के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि यह अवसर विशेष महत्व रखता है, ज़्योंकि यह सरदार पटेल की जयंती के साथ पड़ रहा है, जिनकी राष्ट्रीय एकता की परिकल्पना आज भी देश को प्रेरित करती है। सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2019 की घटनाओं ने एकीकरण, समानता और विकास की दिशा में यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा। उन्होंने कहा, ''आज का दिन महज एक तारीख नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मील का पत्थर है जिसने इतिहास की दिशा बदल दी और राष्ट्रीय एकीकरण, समानता तथा समावेशी विकास की भावना को मजबूत किया।'' उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370 हटाए जाने से आम नागरिकों को भय से मुक्ति मिली और उन अधिकारों तक पहुंच मिली, जिनसे वे दशकों से वंचित थे।ज़्मू-कश्मीर शांति, विकास और सुशासन के एक मॉडल के रूप में उभरा है।'' लोगों की आकांक्षाओं का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि जज़्मू कश्मीर का भविष्य शांति, समान अवसरों और विकास से तय होना चाहिए।




विविध समाचार



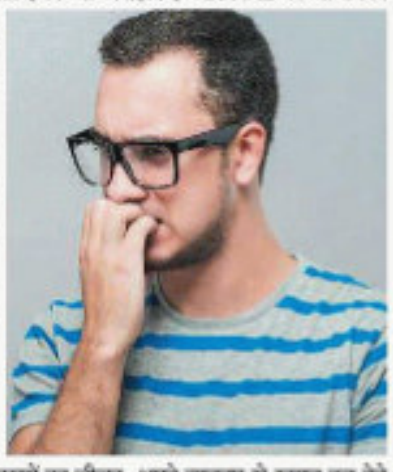

बीमारी नहीं विकार है OCD



ओसीडी को मजबूरी या ऑब्सेशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है क्योंकि कई लोग जब इससे ग्रसित होते हैं तो उनकी स्थिति को दूसरा व्यक्ति आसानी से समझने का प्रयास करता है।

ओसीडी से ग्रसित लोग, उनके जुनूनी आवेगों, विचारों और आग्रहों की अनदेखी करते रहते हैं और खुद को ही सही मानते हैं। उन्हें अंदरूनी भय होता है और वो उससे अकेले ही फाइट करने में जुटे रहते हैं। साधारण शब्दों में कहा जाएं, तो ओसीडी से ग्रसित लोग, साधारण बातों में भी बखेड़ा कर देते हैं और अपनी ही सोच को थोपने का प्रयास करते हैं।

सामान्य तौर पर, ओसीडी से ग्रसित लोग खुद को हर समय अकेला महसूस करते हैं, उन्हें लगता है कि वो असहाय हैं और किसी को भी उनकी परवाह नहीं है। ये व्यवहार उनके मन में दिन में कई बार आ सकता है या वो कुछ-कुछ समय पर इसके शिकार हो जाते हैं। ओसीडी से पीड़ित लोग, अपने मन में सबसे ज्यादा मनगढ़ंत कहानियों को बनाते हैं, वो अलग ही पिक्चर को क्रिएट करते रहते हैं।



इस प्रकार के रोगियों के तर्क बेहद बेकार और बिना सिर पैर के होते हैं। लेकिन ये दूसरों का जीवन, अपने व्यवहार से खराब कर देते हैं। ओसीडी से बच्चे भी प्रभावित हो सकते हैं। टीनएज की लड़कियां या लड़के, अक्सर स्कूली दिनों में इससे ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में बच्चे के माता-पिता को खास ध्यान रखना चाहिए।

पिछले दशक में क्लीनिकल अध्ययन में यह स्पष्ट हो चुका है कि यह मानसिक विकार, दवाईयां और थेरेपी के माध्यम से सही किया जा सकता है। इसके उपचार में कुछ दवाईयों को नियमित रूप से निश्चित समय तक दिया जाता है ताकि व्यक्ति खुद को बैलेंस कर सके और अपने मूड स्विंग पर काबू पा सकें। थेरेपी से उसे सही और गलत के बारे में बताया जाता है। यह कोई शर्मनाक बीमारी नहीं है, जो कि लाइलाज हो। यह एक प्रकार का विकार है, जिसे आसानी से ठीक किया जा सकता है।



बाला के औषधीय गुण



सिडा कोर्डिफोलिया और कंट्री मैलो को ही आयुर्वेद में बाला कहा जाता है। बाला का शाब्दिक अर्थ है ताकत। मतलब यह कि बाला के जरिए हम अपने शरीर को ऊर्जा और ताकत से भर सकते हैं। असल में बाला प्राचीन आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है जो हड्डियों को, मसल्स को और जोड़ों को मजबूत, ताकतवर बनाने के काम आती है। बाला का वानस्पतिक नाम ही सिडा कोर्डिफोलिया है। यह माल्वाकी परिवार से ताल्लुक रखता है। कुछ लोग बाला को सिडा रेटुसा भी कहते हैं। हिंदी में बाला को बरियारा या खिरैती नाम से जाना जाता है। बाला के असंख्य औषधीय गुण हैं। इस लेख में इन तमाम खूबियों पर चर्चा करेंगे।

पित्त से सुरक्षा

पित्त और वात ये दोनों ऐसी समस्या है कब किसे हो जाए, कोई नहीं कह सकता। लेकिन बाला इन दोनों ही बीमारियों के लिए उपयोगी हल है। असल में जो भी बीमारी शारीरिक खराबी के चलते होती है, बाला उन तमाम समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। पित्त और वात ऐसी ही दो बीमारियां है जो यकायक हो सकती हैं। आयुर्वेद के मुताबिक ऐसी स्थिति में बाला का उपयोग बेहतर रहता है।

प्रज्वलनरोधी

बाला में प्रज्वलनरोधी गुण भी समाहित है। इसके अलावा बाला का बाहरी इस्तेमाल कर हम तमाम किस्म के घाव को भी भर सकते हैं। यही नहीं आंखों में सूजन या जलन होने पर भी बाला का पेस्ट लगाया जा सकता है जिससे सूजन और जलन में कमी आती है। इतना ही नहीं जिन लोगों अर्थराइटिस सम्बंधी समस्या है, उनके लिए भी बाला बेहतरीन विकल्प है और जो लोग जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, वे भी बाला की मदद से जोड़ों के दर्द से पार पा सकते हैं। असल में बाला से बनने वाले तेल को जोड़ों में लगाया जाता है साथ ही जिस अंग विशेष में जलन हो रही है, वहां भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। दोनों ही स्थितियों में बाला कारगर है।

नर्व्स के लिए उपयोगी

बाला से बने तेल से यदि आप रोजाना मसाज करते हैं तो यह आपके नर्व्स के लिए उपयोगी है। असल में यह तेल नर्व्स को एक्साइट यानी उत्तेजित करता है। मतलब यह कि जो लोग पैरेलाइज हैं या फिर इस तरह की समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह तेल काफी कारगर है। इससे उनके शरीर में उत्तेजना आने की उम्मीद बढ़ जाती है। सवाल है ऐसे में तेल का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए? ऐसे में जरूरी है कि मरीज की अच्छे से मसाज करें। महज तेल लगाकर शरीर न छोड़ें। इसके अलावा सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस, फेशियल पैरालिसिस के मरीजों पर भी यह तेल इस्तेमाल किया जा सकता है।

बड़ी आंत के लिए लाभकरी

सिडा कोर्डिफोलिया बड़ी आंत की गतिशीलता को नियंत्रित करता है। असल में बाला आंत पैष्टिकता और पानी को सोखता है जो कि शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसका मतलब यह है कि यदि आपका पेट खराब है कि बाला का इस्तेमाल अवश्य करें। इससे आपके पेट को राहत मिलेगी और शरीर को आराम।

कार्डियक टानिक



बाला बेहतरीन कार्डियक टानिक है। मतलब यह है कि इसके सेवन से हृदय सम्बंधी बीमारियां हमसे कोसो दूर रहती हैं। यही नहीं आयुर्वेद के मुताबिक यदि इसका नियमित विशेषज्ञों के कहे अनुसार इस्तेमाल किया जाए तो हैमरेज जैसी घातक बीमारी से भी बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक आचार्यों का कहना है कि हृदय सम्बंधी बीमारी होने पर या हैमरेज जैसी घातक बीमारी के चपेट में आए मरीजों के लिए बाला के पौधे उपयोगी है। उन्हें इसके पौधों का इस्तेमाल करना चाहिए। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ की सलाह लें।

आंतरिक समस्याओं में फायदेमंद

जिन लोगों को मुत्राशय में जलन हो, वे भी बाला का इस्तेमाल आसानी से कर सकते हैं। असल में आयुर्वेद में बाला को बहुत खास महत्व मिला हुआ है। वास्तव में बाला न सिर्फ सामान्य बीमारियों को ठीक करता है बल्कि आंतरिक समस्याओं में भी इसका योगदान अभिन्न है। मुत्राशय में जलन पानी कम पीने से या अन्य समस्याओं के कारण हो सकता है।

स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं ऑर्थोरेक्सिया



यह बात सही है कि हर कोई स्वस्थ खाद्य पदार्थों के चयन पर अधिक ध्यान देकर इसका फायदा उठाना चाहता है। लेकिन स्वस्थ आहार की जरूरत से ज्यादा खोज भी कई बार बीमारी का कारण बन जाती है। जी हां, ऑर्थोरेक्सिया एक ऐसी ही अवस्था है। इस अवस्था में व्यक्ति स्वस्थ आहार की खोज में जुनूनी व्यवहार करने लगता है। ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति में तनावग्रस्त हो जाता है, वह अक्सर एनोरेक्सिया नर्वोसा या अन्य खाने संबंधित विकार हो जाते है। यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति वजन पर ध्यान न देकर खाने पर अधिक ध्यान देता है, उसका ध्यान सही और स्वस्थ आहार की खोज और उनका सेवन करने में अधिक रहता है न कि फिटनेस में। ऐसे लोग खुद को शुद्ध और स्वस्थ होने की भावना देने वाले खाद्य पदार्थों पर स्थिर कर लेते हैं। आर्थोरेक्सिया से ग्रस्त लोगों के व्यवहार और आदतों के बारे में अधिक जानिए इस लेख में।

ऐसे आहार से बचते हैं: कृत्रिम रंग होता है, कीटनाशक होते हैं, फैट, चीनी या नमक हो, डेयरी उत्पाद।

ऑर्थोरेक्सिया के प्रभाव: ऑर्थोरेक्सिया में स्वस्थ भोजन के प्रति जुनून के बढ़ने पर व्यक्ति समाज और परिवार से दूरी बनाने लगता है। इस समस्या के होने पर ऑर्थोरेक्सिया ईटिंग डिसऑर्डर जैसे एनोरेक्सिया के करीब ले जाता है। ऐसे लोग खुद को दूसरों से बेहतर समझने लगते हैं। ऐसा करना परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों पर दबाव डालता है और रिश्ते आहार पैटर्न की तुलना में कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इस समस्या से लोगों को भरपूर मात्रा में कैलोरी नहीं मिलती है जिसके कारण वे कुपोषण के साथ दिल के मरीज भी हो सकते हैं, इसलिए खुद से अपना डायट चार्ट बनाने की बजाय चिकित्सक की सलाह से बने डायट चार्ट का पालन करें।

ऑर्थोरेक्सिया के लक्षण

- अस्थमा, पाचन समस्याओं, मूड में कमी, चिंता और एलर्जी जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं।
- चिकित्सक की सलाह के बिना, खाद्य एलर्जी से बचने के लिए खाद्य-पदार्थों से बचाव के तरीकों को खोजना।
- हर्बल उपचार या प्रोबायोटिक्स/माइक्रोबायोटिक्स जैसे उत्पाद के इस्तेमाल में वृद्धि करना।
- ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित लोग 10 खाद्य पदार्थों से अधिक का उपभोग नहीं कर सकते।
- भोजन तैयार करने की तकनीक के अलावा अधिक तर्कहीन चिंता, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों को धोना या बर्तन को स्टेरलाइज करना।
- स्वस्थ आहार के दिशा निर्देशों से हटने पर अपराध की भावना महसूस करना।
- खाने को लेकर अधिक देर तक सोचना।
- नियमित रूप से अगले दिन के भोजन की योजना बनना।
- स्वस्थ आहार खाने के बाद संतुष्टि, सम्मान या आध्यात्मिक पूर्ति जैसी भावनाओं को महसूस करना।
- स्वस्थ आहार का पालन न करने वालों के प्रति अपेक्षा की भावना रखना।
- घर से दूर होने पर स्वस्थ आहार योजना पालन न रख पाने का डर।
- खाने के बारे इसी तरह के विचार ना रखने वाले दोस्तों या परिवार के सदस्यों से दूरी।
- बाहर के खाने और दूसरों द्वारा पकाए गए खाने से दूरी।
- अवसाद, मिजाज या चिंता का बिगड़ना।

गुलाबी मौसम में रंगों के नए ट्रेंडस से बदलिए अपनी स्टाइल

ब्लैक एंड व्हाइट कलर सर्दियों में रखेगा यंग

ठंड का मौसम सेहत के साथ कपड़ों की नई-नई स्टाइल के लिए भी बेहतरीन माना जाता है। इस गुलाबी मौसम में रंगों का भी अपना महत्व है। सर्दियों में सबसे ज्यादा ब्लैक एंड व्हाइट कलर बॉडी को हॉट, यंग और स्टाइलिश लुक देता है।



रंग हमारे तनावग्रस्त जीवन में राहत पहुंचाते हैं और हमें खुश रखते हैं। विंटर्स में बोल्ड, ब्राइट्रेंट और ब्राइट कलर्स के आउटफिट्स वार्म लुक देते हैं, लेकिन ब्लैक एंड व्हाइट कलर कॉम्बीनेशन इस हॉट सीजन में आपका चार्म बढ़ा देगा। यंग दिखने का यह सबसे आसान तरीका है। इस कॉम्बीनेशन से चेहरे पर ग्लो बढ़ जाता है और यह फेमिनिटी और सेंसुएलिटी को भी उभारता है।

अगर आप फ्लावर पैटर्न कॉस्च्यूम्स और कलर-ब्लॉक के ट्रेंड से बोर हो चुके हैं तो ब्लैक-व्हाइट स्टाइल ट्राई करें, यह आपको खूबसूरत अहसास देगा। यह कॉम्बीनेशन आपको रेगुलर ड्रेस से अलग लुक देगा। ब्लैक एंड व्हाइट को पॉप ऑफ कलर भी कहते हैं। यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता। वूमेन ऑफिसर्स में तो यह ब्लैक एंड व्हाइट सबसे ज्यादा फैमिलियर है, लेकिन इस कॉम्बीनेशन के क्रिएटव डिजाइंस की बदौलत अब यंग गर्ल्स भी इसे सबसे ज्यादा चूज कर रहे हैं। आप ड्रेसिंग से लेकर एसेसरीज, शूज, ज्वेलरी आदि भी ब्लैक एंड व्हाइट में ट्राई कर सकती हैं। फिर चाहे ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप्स हों, चेक्स या प्रिंट। ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटिड टॉप फार्मल और कैजुअल, दोनों लुक के लिए परफेक्ट है। एक कॉमन कलर कॉम्बीनेशन में होने की वजह से इसके किसी भी सॉलिड कलर के लोअर के साथ पहना जा सकता है। जींस हो या ट्राउजर या कोई पैंट्स..वे टॉप किसी के भी साथ अच्छा लगेगा। इसके साथ कुछ गोल्ड या सिल्वर एसेसरीज एड करके डे टाइम हाई टी लुक को नाईट आउट लुक में बदल सकती हैं।



मेडिकल लैब टेक्नीशियन में बेहतरीन कॅरियर

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डॉक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन के रूप में आप अपने कॅरियर का चुनाव कर सकते हैं। इसकी विदेशों में भी काफी मांग है।

नेचर ऑफ वर्क

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है। मेडीकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिक्टे डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

अपॉर्चुनिटीज

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को 30 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है। आप किसी भी मेडिकल लैबोरेटरी में काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है।

स्टडी सेंटर्स...

- डेल्ही पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पैरामेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

रेसिपी



चॉकलेट इडली केक

सामग्री

एक चौथाई कप मैदा, एक चौथाई कप सूजी, 2 टेबल स्पून कोको पाउडर, आधा कप दही, 4 चम्मच चीनी, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई टी स्पून बेकिंग सोडा, 1 टी स्पून वनीला एसेंस, 2 चम्मच रिफाइंड तेल। **सजाने के लिए:** चॉकलेट सॉस, कैडबरी जेम्स

विधि

एक बाउल में दही, चीनी डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें तेल और वनीला एसेंस भी डाल दें। सूजी और कोको पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और 5 मिनट के लिए रख दें। अब इसमें पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बना लें। बेकिंग सोडा भी डाल दें। मैदा डालकर हल्के हाथ से मिलाएं। एक इडली स्टैंड में तेल लगा कर चम्मच से सांचों में घोल भर दें। इडली की तरह 5-7 मिनट भाप में पकाएं। सर्विंग प्लेट में निकालकर चॉकलेट सॉस और जेम्स से सजाकर सर्व करें।



ग्रीन पीस् आम्बटी

सामग्री

3 1/4 कप उबाले और आधे कुचले हुए हरे मटर, 2 स्पून तेल, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 2 स्पून कसा हुआ नारीयल, 1 स्पून खड़ा धनिया, 50mm(2) दालचीनी का टुकड़ा, 1 स्पून जीरा, 3 लौंग, 3 काली मिर्च, 6 कश्मीरी लाल मिर्च, 6 लहसुन की कलियां, 2 कप कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए:** 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन मे 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज, नारियल, खड़ा धनिया, दालचीनी, जीरा, लौंग, कालीमिर्च और सूखी कश्मीरी लाल मिर्च डालकर मध्यम आंच पर कम से कम 3-4 मिनट भूनें। आंच से हटाकर हल्का ठंडा कर लें। ठंडा करने के बाद, मिक्सर मे पीसकर थोड़े पानी के साथ मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। टमाटर को मिक्सर मे पीसकर मुलायम पल्प बनाकर एक तरफ रख दें। एक गहरी कढ़ाई मे बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, तैयार किया हुआ पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट भूनें। हरे मटर, टमाटर का पल्प, नमक और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 4-5 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

व्यापार समझौते में सरकार की उलझन

किसी भी चीज को अपने लिए फायदेमंद बताने का हुनर कोई मोदी सरकार से सीखे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के जुर्माने के तौर पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया तो इसे हुजूर का अहसान बताते हुए देश के लिए फायदेमंद बताया गया। इसके बाद फरवरी के शुरू में व्यापार समझौता हुआ और 18 प्रतिशत टैरिफ तक बात पक्की हुई तो इसे इतना बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया गया कि मोदीजी को सांगोपांग मालाओं से लाद दिया गया। अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ लगाने के फैसले को रद्द किया है तो इसे फिर से भारत के हित में बताया जा रहा है। समझ ही नहीं आ रहा है कि सरकार की नज़र में फायदे की परिभाषा क्या है। गौरतलब है कि बीते दिनों अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए बड़े पैमाने के टैरिफ को अवैध करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग कर टैरिफ नहीं लगा सकते, क्योंकि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। हालांकि ट्रंप की हनक अब भी कम नहीं हुई, फैसले के तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत अस्थायी टैरिफ लगाए, पहले 10प्रतिशत और फिर इसे बढ़ाकर 15प्रतिशत कर दिया। भारत के लिए यह दर फिलहाल 10प्रतिशत तय की गई है, जो पहले घोषित 18प्रतिशत से कम है। ट्रंप ने शुक्रवार को ही बयान दिया कि भारत के साथ समझौते में कोई बदलाव नहीं है। भारत टैरिफ चुकाएगा और अमेरिका नहीं। उन्होंने इसे उलटा करार दिया, जिसमें पहले भारत अमेरिका को लूट रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। इस बदली स्थिति के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत भी टल गई है। वाशिंगटन डीसी में सोमवार 23 फरवरी से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक को स्थगित कर दिया गया है, जिसमें समझौते के कानूनी पाठ को अंतिम रूप देने की योजना थी। दरअसल दोनों देशों ने इस महीने की शुरुआत में एक फ्रेमवर्क पर सहमति जताई थी, जिसमें अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर टैरिफ को 18प्रतिशत तक कम करने और भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों की खरीद बढ़ाने का प्रावधान था। हालांकि, समझौता अभी औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित नहीं हुआ था। भारतीय मु य वार्ताकार और उनकी टीम की अमेरिका यात्रा, जो रविवार को निर्धारित थी, अब स्थगित कर दी गई है। दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से कहा है कि नई घटनाओं और उनके प्रभावों का मूल्यांकन करने के बाद नई तारीख तय की जाएगी। इस अनिश्चितता के कारण बातचीत स्थगित की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह देरी भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी उत्पादों को भारतीय बाजार में तत्काल पहुंच देने की जरूरत टल गई है। समझौता अभी हस्ताक्षरित नहीं होने से भारत की कोई बाध्यता नहीं है। अब सोचने वाली बात ये है कि आखिर इन विशेषज्ञों की बात मोदी सरकार तक पहुंच रही है कि नहीं, क्योंकि जब कांग्रेस सवाल उठा रही थी कि अमेरिकी उत्पादों को खरीदने की मजबूरी से किसानों का बड़ा अहित होगा, तब तो उसका जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पीयूष गोयल को आगे कर दिया, और उन्होंने भी पुरजोर तरीके से व्यापार समझौते की वकालत की। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत सरकार किस दिशा में कदम बढ़ाएगी, कैसे अपने हित सुरक्षित रखेगी, इसका जवाब नदारद है। पीयूष गोयल भी दृश्य में नहीं हैं। लगता है सरकार फिर किसी मास्टर स्ट्रोक वाली पटकथा का इंतजार कर रही है। बहरहाल, इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में कहा कि मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में झुक गई है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता और संप्रभुता खतरे में पड़ गई है। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निर्देश देने की अपील की है कि वे किसानों के लिए हानिकारक शर्तों पर यह समझौता हस्ताक्षर न करें। एसकेएम ने आरोप लगाया कि अंतरिम व्यापार समझौते की शर्तें भारतीय अर्थव्यवस्था और किसानों के लिए घातक हैं।

किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या अत्यंत गंभीर



डॉ. प्रितम भि. गेडाम



आज के आधुनिक युग में मनुष्य जिस प्रकार से खुद को उन्नत महसूस कर रहा है, उससे ज्यादा खुद को समस्याओं में घिरा पा रहा है, इसमें विशेष है मानसिक स्वास्थ्य समस्या। हर उम्र के लोग कभी न कभी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से रूबरू होते हैया हुए है, सुख-शांति बस नाम की नजर आती हैं। ऐसा लगता है, जैसे हर कोई किसी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जी रहा हैं।

आजकल किशोरवयीन बच्चों में भी मानसिक स्वास्थ्य समस्या का विषय बेहद घातक स्तर पर पहुंच गया हैं। किशोरों में लगातार बढ़ता आपराधिक ग्राफ भी गंभीर नजर आता है, इस उम्र के बच्चों में गुस्सा, चिड़चिड़ापन, तनाव, द्वेष, सहनशीलता की कमी, सोशल मीडिया की लत, नशाखोरी जैसी समस्या तेजी से बढ़ी हैं। हम अक्सर किशोरों द्वारा किये जानेवाले घटनाओं और कृत्यों को जानकर दंग रह जाते है कि, अभिभावकों ने केवल डांटा तो किशोरवयीन बच्चे आत्महत्या या खुद को हानि पहुँचाते, घर से भाग जाना या अनुचित कदम उठाने जैसे अपराध करते है, संगीन अपराधों के लिए बड़े अपराधियों जैसी गैंग बनाकर घूमते हैं। चोरी, डकैती, तस्करी, बलात्कार, खून, जानलेवा हमला करने जैसे गंभीर गुनाहों में भी किशोरवयीन बच्चे लिप्त होने की घटनाएं हैं। स्कूली बच्चों द्वारा अपने शिक्षक पर भी जानलेवा हमले करने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। कम उम्र में ही गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, नशाखोरी, झूठा दिखावा करना, बात-बात पर झूठ बोलना, संस्कारों की कमी, नैतिकताहीन, चरित्रहीनता, अश्लीलता, फूहड़ता ने समाज में जहर घोल दिया हैं। लोगों को आकर्षित करने के लिए मर्यादाओं को लांघकर बेशर्मी का चोला पहनकर अनेक युवा जिंदगी बर्बाद कर चुके हैं।

दूसरी ओर अभिभावकों का अपने बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों पर अँधा भरोसा, बच्चों को समय न देना, बच्चों को पोषक वातावरण न देना, बच्चों से बहुत ज्यादा उ मीदें रखना, प्रतियोगिता का माहौल बनाना, बच्चों पर दबाव डालना या बच्चों की भावनाओं को अभिभावकों द्वारा न समझना, बुरी संगत, बच्चों का जीवन में बुरी बातों या घटनाओं का विरोध करने से डरना, किसी खौफ के साये में जीना भी आजकल किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य की वजह हैं।किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या के प्रति जागरूकता हेतु हर साल 2 मार्च को विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, यह दिवस जागरूकता बढ़ाने, स्टिग्मा को कम करने, चिंता और तनाव, अवसाद जैसी किशोरवयीन स्वास्थ्य चुनौतियों के बारे में खुली बातचीत को बढ़ावा देने और साथ ही स्वदेखभाल नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देता हैं। इस साल 2026 की थीम किशोरवयीन विद्यार्थियों को उनके स्कूलों में स्वास्थ्यवर्धक कल्याणकारी उपक्रम हेतुनेतृत्व करने के लिए मजबूत बनाना यह हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, किशोरवयीन बच्चे शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक बदलावों की वजह से मानसिक स्वास्थ्य समस्या के शिकार हो जाते है, जिसमें गरीबी, गलत व्यवहार या हिंसा शामिल हैं।

इन्हें ऐसी समस्याओं से बचाकर बेहतर जीवन के लिए आवश्यक पोषक वातावरण निर्माण कर देना बेहद जरुरी हैं। ऐसा अनुमान है कि, दुनिया भर में, 10-19 साल की उम्र के हर सात में से एक बच्चा मानसिक स्वास्थ्य समस्या का शिकार है, यह दुनिया भर में होने वाली कुल बीमारियों का 15 प्रतिशत है, फिर भी इन समस्या को ज़्यादातर पहचाना नहीं जाता और उनका इलाज नहीं किया जाता। ज़िंदगी भर होने वाली सभी मानसिक बीमारियों में से आधी 14 साल की उम्र में शुरू हो जाती हैं। ऐसे मानसिक समस्या वाले बच्चे सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव, कलंक पढ़ाई में मुश्किल, जोखिम लेने का व्यवहार, शारीरिक बीमारी और मानवाधिकारों के उल्लंघन के शिकार होते हैं। व्यवहार संबंधी मानसिक विकार बड़े किशोरों की तुलना में छोटे किशोरों में ज़्यादा आम हैं। किशोरवयीन बच्चों में बीमारी और विकलांगता के मु य कारण डिप्रेशन, एंग्जायटी और बिहेवियरल डिसऑर्डर हैं। 15-29 साल के बच्चों में आत्महत्या मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य उपचार सुविधा न मिलने के कारण उनके बड़े होने पर उन्हें समाज, परिवार में योग्य स्थान प्राप्त नहीं मिल पाता, जिसके कारण उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक संघर्षों का सामना करना पड़ता हैं। अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, कंडक्ट डिसऑर्डर, बिहेवियरल डिसऑर्डर किशोरों की पढ़ाई पर असर डालकर क्रिमिनल बिहेवियर का खतरा बढ़ा सकते है, जो समस्त मानव समाज के लिए चिंता का विषय होता हैं।

आज के समय में किशोरवयीन बालकों में मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लिए अभिभावक सबसे ज्यादा दोषी हैं। बच्चे अभिभावकों की जि मेदारी है और अभिभावक यही बात भूल जाते हैं। बच्चों के लाड-प्यार या जिद पूरी करने से ही जि मेदारी पूरी नहीं होती हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक जरूरतों को समझना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। बच्चों के लिए आवश्यक और उनकी जिद के बीच के अंतर को समझना चाहिए। अक्सर अभिभावक कहते है कि हम बच्चों के लिए पैसा कमाने में व्यस्त रहते है, लेकिन दुनिया में हर जरुरत पैसे से नहीं खरीद सकते या हर जरुरत को पैसे से पूरा नहीं किया जा सकता।

बच्चों को सही समय पर उनका साथ देना जरुरी होता है, बच्चों के साथ दोस्त बनकर थोड़ा ही सही लेकिन समय बिताना भी जरुरी होता हैं। अपने बच्चे है इसलिए उनकी गलतियों पर पर्दा डालना या जिद करते है इसलिए उनकी नाजायज मांग भी पूरी करना तो सरासर गलत हैं। आज दुनिया भर में या हम जो समाज में अपराधी देखते है, शायद सही वक्त पर उन अपराधियों को उनके अभिभावकों ने अच्छी परवरिश, संस्कार और बेहतर पोषक वातावरण निर्माण कर दिया होता तो आज वे समाज के लिए नासूर न बने होते। रोजाना स्वस्थ नींद, नियमित रूप से व्यायाम, शारीरिक और मानसिक कसरत वाले खेल खेलना, समस्या का समाधान करने और पारस्परिक कौशल विकसित करना और भावनाओं को प्रबंधित करना सीखना जरुरी हैं। घर-परिवार, स्कूल और व्यापक समुदाय के भीतर एक सुरक्षात्मक और सहायक वातावरण महत्वपूर्ण हैं।

अध्ययन से पता चला है कि स्कूल जाने वाले बच्चों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम 23.33 प्रतिशत है। पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया का ज़्यादा इस्तेमाल और परिवार का टूटना तनाव में काफी योगदान देते हैं, जिसमें 43 प्रतिशत विद्यार्थी मूड स्विंग्स और 11 प्रतिशत चिंता की बात करते हैं। 10 प्रतिशत से भी कम युवा भारतीयों के पास औपचारिक मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच हैं। मानसिक स्वास्थ्य विकार में अधिकतम किशोर मदद लेने से झिझकते हैं। साइबरबुलिंग, सोशल तुलना और इंटरनेट की लत बढ़ रही है, 15-19 साल के बच्चों में शराब का सेवन काफी हैं। 13-17 साल के लगभग 7 प्रतिशत किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार होते हैं, और युवाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण आत्महत्या हैं। बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु अभिभावकों ने बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरुरी हैं। शारीरिक गतिविधियां और मानसिक स्वास्थ्य के बीच एक पॉजिटिव रिश्ता होता है, खेलकूद करने पर तनाव कम होने लगता है, इसलिए अभिभावकों ने अपने बच्चों को साथ लेकर बाहर साइकिलिंग, स्केटिंग, स्विमिंग, हाइकिंग, या कोई भी मैदानी खेल खेलने ले जाना चाहिए।

बच्चों के साथ हंसी मजाक करना, उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए स्वयंसेवक के रूप में प्रोत्साहित करना, साथ में खाना, नाश्ता करना, दिनभर के गतिविधियों पर चर्चा करना, हेल्दी हॉबी विकसित करना सिखाए, व्यायाम योगा का महत्त्व समझना, अच्छे संस्कार, भेदभाव को भूलकर मानवता का सन्देश देना, प्रकृति और देशसेवा को प्रथम स्थान देना जैसी बातें बच्चों को समझाना अभिभावकों, शिक्षकों का परम कर्तव्य हैं। बच्चों की खूबियों या फिर गलतियों को कभी नजरअंदाज न करें, उन्हें सही समय पर सही दिशा देना जरुरी होता हैं। इस प्रकार बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे और बुरी आदतों से दूर रहेंगे, इससे उनमे मानसिक स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं होगी।

विवादित हो सकते हैं भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के वायदे

नन्तू बनर्जी

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने में भारी देरी के कारण, भारत ने पिछले महीने यूरोपीय संघ के साथ एक मेगा व्यापार और आर्थिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे उसने %सभी सौदों की जननी% के रूप में ब्रांडेड किया। इस डील से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को प्रवेश मिलेगा, जिससे अमेरिकी बाजार पर निर्भरता से दूर एक रणनीतिगत मोड़ मिलेगा। महीनों की बातचीत और अनिश्चितताओं के बाद पिछले सप्ताहांत भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के पहले हिस्से के स पन्न होने पर जो उत्साह था, वह यदि जल्दबाजी में प्रकट नहीं हुआ हो तो शायद बेतुका है, क्योंकि यह अभी भी साफ नहीं है कि रूस और ईरान जैसे देशों को मिलाकर भारत की बहुपक्षीय संबंधों वाली वैश्विक व्यापार और आर्थिक रणनीति के प्रति संयुक्त राज्य अमेरिका का रवैया क्या होगा और यह व्यापार समझौते पर कैसे असर डाल सकता है।

अमेरिका, जो चीन से सामान का सबसे बड़ा आयातक है, चीन के रूस, ईरान, नॉर्थ कोरिया, क्यूबा और वेनेजुएला जैसे बड़े अमेरिका विरोधी देशों के साथ मजबूत व्यापार और राजनयिक रिश्तों के बावजूद चीन के प्रति तुलनात्मक रूप से नरम रहा है। रूस के साथ, भारत लंबे समय से असैन्य नाभिकीय और रक्षा क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों में मजबूत बहुआयामी रिश्ते का आनंद ले रहा है। भारत रूस में तेल की खोज और उत्पादन में भी एक निवेशक है। अमेरिका के साथ भारत के व्यापार समझौते से इसकी स्विंग स्टेट के तौर पर अपनी स्थिति का फ़ायदा उठाने की कोशिश पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए, ताकि वह अपनी सुरक्षा और विकास के फ़ायदों को बचाते हुए सभी तरफ़ से ज़्यादा से ज़्यादा लाभ उठा सके।

यह अच्छी बात है कि अमेरिका ने आखिरकार भारतीय निर्यात पर पारस्परिक टैरिफ़ को घटाकर 18प्रतिशत करने का फैसला किया है। बदले में, भारत अब अमेरिका से आयातित होने वाली कई चीज़ों पर लगने वाले करों में कटौती करेगा। इस व्यापार समझौते में अमेरिका ने रूसी खनिज तेल की खरीद पर भारतीय निर्यात पर लगने वाले 25प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ भी खत्म कर दी, हालांकि यह साफ़ नहीं है कि क्या इसका मकसद भारत को रूस से तेल खरीदने से पूरी तरह रोकना था। इस समझौते से भारत के दो बड़े निर्यातक ग्रुप को फ़ायदा होगा- एक में कपड़ा, चमड़ा, रसायन, और समुद्री उत्पादन शामिल हैं; और दूसरे में दवाएं और स्मार्टफ़ोन शामिल हैं। ये दोनों ग्रुप अभी अमेरिका को भारत के निर्यात का 56प्रतिशत के हिस्सेदार हैं। इस समझौते से उच्च मूल्य वाले औद्योगिक उत्पादनों के अमेरिका को निर्यात के लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद होने की उ मीद है, जिनमें से 90प्रतिशत से ज़्यादा को टैरिफ़ खत्म करने, 10 सालों में ड्यूटी में कटौती और कोटा के आधार पर कमी जैसी कई छूट मिलेंगी।

ऐसा लगता है कि व्यापार सौदा अगले पांच वर्षों में अमेरिका से भारत के आयात के 500 अरब डॉलर तक बढ़ने के बारे में कुछ हद तक आशावादी है। भारत एक अग्रणी व्यापारिक राष्ट्र नहीं है। वैश्विक व्यापारिक राष्ट्रों में, भारत आयातक के रूप में 10वें और निर्यातक के रूप में 13वें स्थान पर है। उच्च मूल्य के निर्मित उत्पादों की इसकी विनिर्माण और खपत क्षमताएं सीमित रही हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में, अमेरिका से भारत के माल आयात का मूल्य केवल लगभग 45.33 अरब डॉलर था। नई रियायतों के बावजूद अगले पांच वर्षों में इन आयातों के 10 गुना से अधिक बढ़कर 500 अरब डॉलर होने की उ मीद करना अतार्किक लगता है। भारत साल दर साल भारी अंतरराष्ट्रीय व्यापार घाटे से जूझ रहा है। इसकी अर्थव्यवस्था एक ही देश से इतने बड़े आयात से हिल सकती है जब तक कि भारत अपने वार्षिक व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए अन्य देशों से आयात में भारी कटौती करने का फैसला नहीं करता। वर्ष 2024-25 में, 50 से ज़्यादा देशों से भारत का कुल व्यापारिक वस्तुओं का आयात 720.24अरब डालर था, जबकि निर्यात से सिर्फ 437.42अरब डालर की कमाई हुई, जिससे 282.83 अरब अमेरिकी डालर का व्यापारिक घाटा हुआ।

अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए नया तय किया गया फ्रेमवर्क, जिसमें अगले पांच सालों में 500 अरब डालर का सालाना आयात करने का वायदा किया गया है, भारत ऊर्जा उत्पादन (तेल, एलएनजी, और एलपीजी), कमर्शियल एयर क्रा ट और पार्ट्स (खासकर बोइंग से), कोकिंग कोल, कीमती धातुएं, और डेटा सेंटरों के लिए ग्राफिक प्रोसेसिंग इकाइयां (जीपीयू) जैसे हाई-टेक प्रोडक्ट्स पर ध्यान केन्द्रित करेगा। दिलचस्प बात यह है कि केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इस 500अरब डालरके आंकड़ों को %रूढ़ीवादी% बताया, और कहा कि अगले पांच सालों में भारत की कुल आयात मांग लगभग 2 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है। यह सच में बहुत ज़्यादा लगता है। बहुत कुछ अर्थव्यवस्था की विकास दर तथा लोगों की क्रय और उपभोग शक्ति पर निर्भर करेगा। इस 500 अरब डॉलर के आंकड़े में मौजूदा ऑर्डर (जैसे पिछले विमान ऑर्डर) और नई खरीद प्रतिबद्धताएं शामिल हो सकती हैं। विडंबना यह है कि भारत फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की 18 फरवरी को भारत-एआई प्रभाव शिखर स मेलन के लिए नई दिल्ली यात्रा से पहले 114 राफेल लड़ाकू जेट हासिल करने के लिए फ्रांस के साथ 3.24 लाख करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। यदि मंजूरी मिल जाती है, तो यह सौदा भारत की सबसे बड़ी रक्षा खरीद में से एक होगा, जो मेक-इन-इंडिया ढांचे के तहत भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को गहरा करेगा। फ्रांस का नागरिक विमान निर्माता, एयर बस इंडस्ट्री, भारत को यात्री विमानों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। ज़्यादा जानें लैपटॉप बजट विश्लेषण युवा सामग्री अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने में भारी देरी के कारण, भारत ने पिछले महीने यूरोपीय संघ के साथ एक मेगा व्यापार और आर्थिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे उसने %सभी सौदों की जननी% के रूप में ब्रांडेड किया। इस डील से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को प्रवेश मिलेगा, जिससे अमेरिकी बाजार पर निर्भरता से दूर एक रणनीतिगत मोड़ मिलेगा। साथ में सुरक्षा और रक्षा साझेदारी समझौता, आतंकवाद के खिलाफ करीबी सहयोग, भारत-प्रशान्त क्षेत्र में मजबूत जुड़ाव और सैन्य क्षमताओं के मिलजुलकर विकास के लिए भी प्रतिबद्धता पर हस्ताक्षर किये गये हैं। अब भारत-अमेरिका समझौता, जो काफी हद तक इसी तरह की है, दोनों समझौते के दायरे और आकार को कम करने का खतरा पैदा करता है, जो दो बड़े ट्रेड ब्लॉक, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ भारत के व्यापारिक हितों को समायोजित करते हैं। जैसा कि पहले बताया गया है, भारत दुनिया भर में एक बड़ा व्यापारिक देश नहीं है। दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले इस देश की दिलचस्पी अभी भी सीमित है। अमेरिका और यूरोपीय यूनियन दोनों से आयात का दबाव भारत के अन्तरराष्ट्रीय व्यापार घाटे को और बढ़ा सकता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है, जब तक कि भारत द्वारा चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, सिंगापुर और नीदरलैंड से आयात में काफी कटौती नहीं किया जाता। अमेरिका के साथ नया व्यापार समझौता भारत के सामने मौकों से ज्यादा चुनौतियां खड़ी कर सकता है, जो खुद 2047 तक दुनिया की तीन सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति में से एक बनने की उ मीद कर रहा है, जो एक-दूसरे के साथ कड़ी टक्कर दे रहे हैं। पिछले एक साल में अमेरिका के साथ हुए उथल-पुथल भरे व्यापारिक विवादों ने भारत को अपने पारंपरिक खास भागीदारों, जिसमें अमेरिका भी शामिल है, के साथ अपने रिश्ते को फिर से बनाने पर सोचने पर मजबूर कर दिया है।



विविध समाचार



2 दिन पहले रिलीज हुई फिल्म 'सतलुज' ओटीटी से हटाई गई, पंजाब में फेक एनकाउंटर में 25 हजार हत्याओं का फिल्म में दावा



चंडीगढ़। पंजाबी अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को रिलीज के दो दिन बाद ही OTT प्लेटफॉर्म ZEE5 से हटा दिया गया है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है।

इससे पहले फिल्म का नाम 'पंजाब 95' था, जिसे लंबे समय तक रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। बाद में संशोधित रूप में 'सतलुज' नाम से इसे OTT पर रिलीज किया गया। फिल्म हटाए जाने के बाद दिलजीत दोसांझ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें फिल्म हटाए जाने का उतना दुख नहीं है, क्योंकि यह पहले ही दर्शकों तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि एक बार कोई फिल्म इंटरनेट पर आ जाए तो उसे पूरी तरह हटाना आसान नहीं होता। साथ ही उन्होंने टिप्पणी की कि "इस फिल्म के साथ वही हुआ, जो खालड़ा जी के साथ हुआ था।" फिल्म हटाए जाने को लेकर ZEE5 ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि "मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अगले आदेश तक 'सतलुज' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रहेगी।" कंपनी ने यह भी कहा कि वह कानूनी प्रक्रिया के तहत सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार कर रही है ताकि फिल्म को जल्द दोबारा दर्शकों के लिए उपलब्ध कराया जा सके।

हालांकि, फिल्म हटाने के पीछे किस एजेंसी या प्राधिकरण की भूमिका रही, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और उनके मानवाधिकार संबंधी कार्यों को केंद्र में रखा गया है।

कहानी में 1990 के दशक के पंजाब की पृष्ठभूमि दिखाई गई है। फिल्म में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की 31 अगस्त 1995 को हुए बम विस्फोट में हत्या की घटना और उसके बाद 6 सितंबर 1995 को जसवंत सिंह खालड़ा के कथित अपहरण को भी कथानक का हिस्सा बनाया गया है। मुख्यमंत्री की मौत के बाद जब राजनीतिक माहौल बदला, तो पुलिस को डर था कि खालड़ा उनके इस 25 हजार अवैध दाह–संस्कार के काले राज को दुनिया के सामने न ले आएं, इसलिए वे खालड़ा का अपहरण करने का कदम उठाते हैं। खालड़ा ने अमृतसर, तरनतारन और आसपास के श्मशान घाटों के रिकॉर्ड, नगर निगम के दस्तावेज और अंतिम संस्कार रजिस्टर खंगाले। उनकी जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में 'लावारिस' बताकर शवों का अंतिम संस्कार किया गया, जबकि कई शव कथित रूप से उन लोगों के थे जो पुलिस हिरासत के बाद लापता हो गए थे।

उन्होंने दावा किया कि पूरे पंजाब में करीब 25,000 लोगों की अवैध हत्या और गुप्त अंतिम संस्कार किए गए। केंद्र सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि फिल्म के कुछ हिस्सों के दुरुपयोग की आशंका जताई गई है।

सूत्रों के अनुसार, चिंता यह है कि फिल्म की कुछ सामग्री का इस्तेमाल भारत विरोधी या खालिस्तान समर्थक तत्व अपने प्रचार के लिए कर सकते हैं, विशेष रूप से राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय में। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सीटीईटी कॉलेज, सेक्टर–26 स्थित बहुउद्देशी, हॉल का एक हिस्सा ढहा कोई जनहानि नहीं



चंडीगढ़, सेक्टर–26 स्थित सीटीईटी कॉलेज के बहुउद्देशी, हॉल का एक हिस्सा आज ढह गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या चोट नहीं हुई, क्योंकि भवन को पहले ही असुरक्षित घोषित कर उपयोग के लिए बंद कर दिया गया था। चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग ने भौतिक निरीक्षण के उपरांत इस भवन को पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था तथा यह सुनिश्चित किया गया था कि भवन का उपयोग न किया जाए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विभाग द्वारा भवन का विस्तृत संरचनात्मक सुरक्षा ऑडिट कराने के बाद इसकी संरचनात्मक स्थिरता एवं सुरक्षा संबंधी विस्तृत तकनीकी सलाह के लिए पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) को मामला भेजा गया था। इस बीच, इंजीनियरिंग विभाग द्वारा असुरक्षित भवन को ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी पहले ही प्रारंभ कर दी गई थी। घटना के तुरंत बाद स्थल को सुरक्षित करते हुए भवन के आसपास के पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई, ताकि आम जनता का प्रवेश रोका जा सके। इंजीनियरिंग विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं। चंडीगढ़ प्रशासन ने पुनः स्पष्ट किया है कि जन सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं।

एसआईटी की कार्यप्रणाली निष्पक्ष जांच के बजाय राजनीतिक दबाव का माध्यम बनती जा रही है : विजय सांपला

होशियारपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय सांपला ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम द्वारा उन्हें पुनः नोटिस जारी किया गया है, जबकि वे पहले भी जांच में पूर्ण सहयोग दे चुके हैं और लिखित रूप में स्पष्ट कर चुके हैं कि आगे भी हर स्तर पर सहयोग देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बार–बार अनुरोध करने के बावजूद आज तक उन्हें वे दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए, जिनके संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। बिना संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए किसी नागरिक को बार–बार तलब करना प्राकृतिक न्याय और कानून की स्थापित प्रक्रिया के विपरीत है। उन्होंने एसआईटी को सूचित कर दिया है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण वे 06 जुलाई को उपस्थित नहीं हो सकेंगे, किंतु 07 जुलाई को स्वयं उपस्थित होकर पूरा सहयोग देंगे। विजय सांपला ने आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा मुख्यमंत्री के संबंध में दिए गए निर्णय तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी से संबंधित प्रस्तावित कानून को लेकर सरकार की हुई व्यापक आलोचना के बाद सरकार बुरी तरह घबराई हुई है और जनता का ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और देश के अधिकांश राज्यों में उसकी सरकारें जनसेवा कर रही हैं। पंजाब सरकार भाजपा नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई कर अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने का असफल प्रयास कर रही है। सांपला ने कहा कि पंजाब नशे, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून–व्यवस्था, किसानों की समस्याओं और विकास जैसे गंभीर संकटों से जूझ रहा है, लेकिन राज्य सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाकर राजनीतिक एजेंडा चला रही है। उन्होंने दोहराया कि उन्हें संविधान, न्यायपालिका और कानून के शासन पर पूरा विश्वास है। वे निष्पक्ष जांच का स्वागत करते हैं, लेकिन जांच कानून, पारदर्शिता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। सत्य को राजनीतिक प्रतिशोध से नहीं, बल्कि तथ्यों और निष्पक्ष जांच से ही स्थापित किया जा सकता है।

हरियाणा सीएम दफ्तर और चंडीगढ़ के स्कूलों को उड़ाने की धमकी, आज ही खुले थे स्कूल, मचा हड़कंप

चंडीगढ। बुधवार सुबह चंडीगढ़ के स्कूलों और हरियाणा सीएम के दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के मुताबिक ये धमकी इमेल के जरिए भेजी गई। जिसके बाद पुलिस अलर्ट पर आ गई। बता दें चंडीगढ़ के स्कूल आज ही गर्मी की छुट्टियों के बाद खुले है। पहले चंडीगढ़ सेक्टर–31 स्थित एयर फोर्स स्कूल को धमकी भरा ई–मेल मिला। इसके बाद सेक्टर–37बी और 37डी के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–38 के विवेक हाई स्कूल, सेक्टर–26 के सेक्रेड हार्ट स्कूल और स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल, सेक्टर–40 के डीपीएस तथा सेक्टर–9 के कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल को भी इसी तरह के धमकी भरे ई–मेल मिलने की सूचना मिली। मेल में कहा कि बम धमाके, आईडी ड्रोन। चंडीगढ़ के सारे स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे, जबकि सीएम सैनी हरियाणा आफिस दोपहर 3.11 बजे का समय दिया है। धमकी भरे ई–मेल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी निशाना बनाया गया है। इसके साथ ही दावा किया गया है कि रेलवे ट्रैक भी उनके निशाने पर हैं। लोगों से रेल यात्रा नहीं करने और 15 अगस्त को अपने बच्चों को परेड में नहीं भेजने की धमकी भी दी गई है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें तुरंत संबंधित स्कूलों में पहुंचीं और पूरे परिसर की गहन तलाशी शुरू कर दी। एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई तथा सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाए गए। खबर लिखे जाने तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना नहीं थी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक करीब 40 लाख महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि जारी की गई राशि जुलाई, अगस्त और सितंबर की किस्तों के रूप में दी गई है। सभा के दौरान एक महिला लाभार्थी मंच पर पहुंची और अपने मोबाइल पर आए 4,500 के बैंक संदेश को मुख्यमंत्री को दिखाया। मुख्यमंत्री ने संदेश पढ़कर इसकी पुष्टि की। महिला ने बताया कि उसकी चार बेटियां हैं और यह राशि उनकी पढ़ाई व अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह योजना लाखों परिवारों के लिए राहत साबित होगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पिछले दिनों कहा था कि उनकी सरकार लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। राज्य में घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई गई है, बिना भ्रष्टाचार के 68 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं, सड़कों का विकास किया गया है और कई टोल प्लाजा बंद कर प्रतिदिन लगभग 70 लाख की बचत सुनिश्चित की गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आज पंजाब की माताओं और बहनों के लिए बहुत बड़ा दिन है। अब तक सबने पंजाब को लूटा। भगवंत मान पहले ब्ड हैं जिन्होंने पंजाब को नहीं लूटा। सारा सरकारी पैसा लोगों तक पहुंचाया। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता देने का वादा किया था। अब विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने इस योजना को लागू कर अपने चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस योजना के लिए राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में 9,300 करोड़ का प्रावधान किया है।

विमुक्त घुमंतू परिवारों के शिष्ट मंडल ने अपनी समस्याओं सम्बन्धी खन्ना को सौंपा ज्ञापन

होशियारपुर। प्रमुख जन कल्याण चौरिटेबल ट्रस्ट, पालनपुर जिला बनासकांठा, गुजरात ने पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना से भेंट कर गढ़शंकर तहसील के ग्राम चकरोहता में पिछले लगभग 30द्35 वर्षों से निवास कर रहे नटदृमदारी समुदाय के परिवारों को जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने खन्ना को बताया कि नटदृमदारी समुदाय विमुक्त एवं घुमंतू जनजातियों (एन.टी–डी.एन.टी) से संबंधित है, जिसके सदस्य देश के विभिन्न राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा मध्य प्रदेश में निवास करते हैं। यह समुदाय परंपरागत रूप से जड़ी–बूटियों, देशी औषधियों तथा पूर्वजों से प्राप्त पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के माध्यम से आजीविका अर्जित करते हैं। समुदाय के अनेक परिवार वर्षों से पंजाब में निवास कर रहे हैं।

संतों की शिक्षाओं से ही समाज को बेहतर दिशा मिल सकती है : सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि संतों और महान आध्यात्मिक नेताओं का जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी शिक्षाओं और आदर्शों का पालन करके ही मानवता, सेवा, भाईचारा और आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। पटियाला जिले के रोडेवाल स्थित गुरुद्वारा श्री गुफासर साहिब में बाबा पूरन दास जी महाराज की 60वीं और संत बाबा बलवंत सिंह जी (सिहोड़े वाले) की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए श्री सैनी ने दोनों संतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दोनों संतों ने अपना जीवन धर्म, तपस्या, जनकल्याण और मानवता की सेवा को समर्पित किया। जल संकट वाले क्षेत्रों में कुओं का निर्माण, शिक्षा के लिए विद्यालयों की स्थापना और गुरुद्वारों के निर्माण जैसे कार्य उनके समाज सुधारक स्वरूप को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत बाबा बलवंत सिंह जी ने मानव सेवा, आध्यात्मिक जागृति और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया तथा युवाओं को नैतिक और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि पंजाब आज नशे जैसी सामाजिक बुराइयों की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे समय में युवाओं को संतों की शिक्षाओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा संतों, गुरुओं और वीर योद्धाओं की भूमि रहे हैं। समाज में भाईचारा, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 | पृष्ठ-6

दिनदहाड़े बुजुर्ग की कुल्हाड़ी से हत्या, वारदात के बाद घर में छिपा आरोपी

नबरंगपुर ०२/११ (संवाददाता): ओडिशा के नबरंगपुर जिले में हत्या की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। पापड़हांडी ज़्लॉक के कदमगुडा गांव में 60 वर्षीय बुजुर्ग की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मुंडारा पुजारी के रूप में हुई है, जो नबरंगपुर ज़्लॉक की बिक्रमपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत डंगरीगुडा गांव के मूल निवासी थे। वह पिछले कुछ समय से कदमगुडा स्थित अपने ससुराल में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग सुबह अपने घर के पास की जमीन साफ कर रहे थे, तभी उदयनाथ अमानत्य उर्फ शुज़रू नामक व्यक्ति ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में मुंडारा पुजारी की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पास स्थित अपने घर में जाकर छिप गया। मृतक के परिजनों ने उसे घर में घेर लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरज़्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह कदमगुडा गांव में मुंडारा पुजारी अपने घर के आसपास की जगह साफ कर रहे थे। इसी दौरान गांव का उदयनाथ अमानत्य उर्फ शुज़रू वहां पहुंचा। आरोप है कि उदयनाथ ने अचानक कुल्हाड़ी से मुंडारा पर हमला कर दिया। हमले के दौरान बुजुर्ग को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों को वारदात की जानकारी मिली। देखते ही देखते गांव में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों और परिजनों के लिए यह घटना बेहद चौंकाने वाली थी। सुबह के समय घर के पास काम कर रहे बुजुर्ग की इस तरह हत्या होने से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। हालांकि, हमले के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। वारदात के बाद अपने घर में जाकर छिपा आरोपी बताया जा रहा है कि मुंडारा पुजारी पर हमला करने के बाद आरोपी उदयनाथ अमानत्य घटनास्थल से निकलकर पास में स्थित अपने घर चला गया। वारदात की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन आरोपी की तलाश में जुट गए। उन्हें जानकारी मिली कि आरोपी अपने घर के अंदर छिपा हुआ है। इसके बाद परिजनों ने घर को चारों ओर से घेर लिया, ताकि आरोपी वहां से भाग न सके। इस दौरान पुलिस को घटना की सूचना दी गई। परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस के पहुंचने तक आरोपी घर के अंदर ही मौजूद बताया गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को किया गिरज़्तार हत्या की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस की टीम कदमगुडा गांव पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक के परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी के घर पहुंची, जहां वह छिपा हुआ था। पुलिस ने उदयनाथ अमानत्य उर्फ शुज़रू को हिरासत में लेकर गिरज़्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने बुजुर्ग पर हमला ज़्यों किया। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि दोनों के बीच पहले से कोई विवाद था या घटना के पीछे कोई अन्य



कारण है। फिलहाल पुलिस ने हत्या के पीछे किसी खास वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। डंगरीगुडा गांव के रहने वाले थे मृतक मुंडारा पुजारी मृतक मुंडारा पुजारी की उम्र करीब 60 वर्ष बताई जा रही है। वह मूल रूप से नबरंगपुर ज़्लॉक की बिक्रमपुर ग्राम पंचायत के डंगरीगुडा गांव के निवासी थे। हालांकि, वर्तमान में वह पापड़हांडी ज़्लॉक के कदमगुडा गांव में अपने ससुराल में रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार सुबह वह घर के आसपास सफाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। मुंडारा की मौत से परिवार में शोक का माहौल है। अचानक हुई इस घटना से उनके रिश्तेदार और परिचित स्तज़्ध हैं। शोक सांत्वना पाएं परिवार के लोग घटना के पीछे की वजह जानना चाहते हैं और आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया पुलिस ने घटनास्थल से बुजुर्ग का शव कज़्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु के चिकित्सकीय कारणों और चोटों की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उज़्मीद है।

जांच के दौरान पुलिस घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को भी महत्व दे रही है। हमले में इस्तेमाल कुल्हाड़ी की बरामदगी के संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी उपलज़्ध नहीं है। पुलिस के लिए यह पता लगाना भी महत्वपूर्ण होगा कि घटना अचानक हुए विवाद का परिणाम थी या आरोपी पहले से हमला करने के इरादे से मौके पर पहुंचा था। इन सभी पहलुओं की जांच के बाद ही वारदात की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। हत्या की वजह को लेकर कई सवाल मुंडारा पुजारी की हत्या के पीछे का कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि मृतक और आरोपी के बीच पहले से कोई विवाद चल रहा था या नहीं। स्थानीय स्तर पर दोनों के संबंधों और घटना से पहले की परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सकती है।

इसके अलावा आरोपी के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्य जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। फिलहाल किसी पुराने विवाद, संपज़ि संबंधी झगड़े या व्यक्तिगत रंजिश को हत्या की पुष्टि की गई वजह नहीं माना जा सकता। पुलिस जांच के निष्कर्ष आने के बाद ही घटना के पीछे का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। गांव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता कदमगुडा गांव में दिन के समय हुई इस हत्या ने ग्रामीणों को चिंतित कर दिया है। घर के आसपास सामान्य काम कर रहे बुजुर्ग पर धारदार हथियार से हमला होने की घटना को गंभीर माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए आपसी विवादों का समय रहते समाधान होना जरूरी है। गांवों में पारिवारिक और व्यक्तिगत विवादों को लेकर हिंसक घटनाएं होने पर पूरे समुदाय पर उसका असर पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस और स्थानीय प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ग्रामीणों को उज़्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर हत्या के पीछे की वास्तविक वजह सामने लाई जाएगी। आरोपी से पूछताछ में हो सकता है खुलासा उदयनाथ अमानत्य उर्फ शुज़रू की गिरज़्तारी के बाद अब पुलिस का ध्यान हत्या के कारणों को स्पष्ट करने पर केंद्रित है। पूछताछ के दौरान आरोपी से घटना के पहले और बाद की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा पुलिस यह जांच करेगी कि आरोपी और मृतक के बीच घटना से पहले कोई बातचीत या विवाद हुआ था या नहीं। पुलिस की ओर से मामले में दर्ज कानूनी धाराओं और आगे की न्यायिक कार्रवाई का विस्तृत विवरण अभी उपलज़्ध नहीं है। जांच पूरी होने के बाद संबंधित साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। गिरज़्तारी के बाद पुलिस जांच जारी पापड़हांडी ज़्लॉक के कदमगुडा गांव में हुई बुजुर्ग की हत्या से इलाके में शोक और चिंता का माहौल है। मुंडारा पुजारी की मौत के बाद परिजनों ने जिस तरह आरोपी को घर में घेरकर पुलिस को सूचना दी, उससे पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने में मदद मिली। शोक सांत्वना पाएं पुलिस ने आरोपी को गिरज़्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के साक्ष्यों और आरोपी से पूछताछ के आधार पर हत्या के कारणों का पता लगाया जाएगा। फिलहाल यह स्पष्ट है कि शुक्रवार सुबह हुई इस वारदात में एक 60 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई। आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है, लेकिन हत्या के पीछे की वजह का खुलासा होना अभी बाकी है।

बुजुर्ग दंपज़ि ने पेंशन कार्ड सुनिश्चित करने का वचन दिया

फुलबनी/बरहामपुर ०२/११ (संवाददाता): ऐसे समय में जब अधिकांश लोग अपने शेष वर्ष शांति से बिताने की उज़्मीद करते हैं, कंधमाल के दरिंगबाड़ी ज़्लॉक के अंतर्गत धुसारी गांव के एक बुजुर्ग जोड़े ने अपनी जमीन का एक हिस्सा बेच दिया है, पैसे उधार लिए हैं और यहां तक कि अपने वृद्धावस्था पेंशन कार्ड भी गिरवी रख दिए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका 26 वर्षीय बेटा अपनी चिकित्सा शिक्षा हासिल कर सके। फॉरेज़्स ट्रेड करें दंपज़ि, केपंगा सुनामाझी (70) और उनकी पत्नी नागतालु (70), दोनों सीमांत किसान हैं। अपने पास सीमित संसाधनों के साथ, उन्होंने कथित तौर पर सुशांत सुनामाझी के प्रवेश के लिए 24,000 रुपये जुटाने के लिए अपने पेंशन कार्ड गिरवी रखे। जहां एक कार्ड को 12,000 रुपये में गांव के साहूकार के पास गिरवी रखा गया था, वहीं दूसरे को इतनी ही राशि के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के एक सदस्य को दे दिया गया था।

इस साल NEET में सुशांत की सफलता और उसके बाद जाजपुर में महाराजा जजाति केशरी सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश ने परिवार में बहुत



खुशी ला दी है। उन्होंने बेरहामपुर के कनिसी में एक सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज में प्लस II की शिक्षा लेने से पहले दरिंगबाड़ी ज़्लॉक के गदापुर सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा तक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। प्लस २ की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वह अपने गांव लौट आए और NEET की तैयारी के अलावा, खेती में अपने माता-पिता की मदद की।

मेडिकल सीट हासिल करने की उनकी यात्रा बहुत आसान नहीं थी, ज़्योंकि उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में एनईईटी में सफलता हासिल की। उन्होंने निजी कोचिंग नहीं ली और परीक्षा के लिए स्व-अध्ययन की तैयारी के दौरान अपने प्राथमिक शिक्षण संसाधन के रूप में इंटरनेट पर भरोसा किया। हालाँकि, इस खुशी के पीछे त्याग और आर्थिक तंगी की कहानी है, जिसमें उसके माता-पिता उसकी शिक्षा के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। राज्य की मधु बाबू पेंशन योजना के तहत केपंगा और नागातालु दोनों को प्रति माह 1,000 रुपये मिलते हैं। उधार लिया गया पैसा चुकाए जाने तक ऋणदाता मासिक पेंशन राशि एकत्र करेंगे। हालांकि ऋण पर कोई ज़्याज नहीं है, इस व्यवस्था ने बुजुर्ग जोड़े को उनकी नियमित पेंशन तक पहुंच से वंचित कर दिया है, जो अन्यथा उन्हें उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है। पेंशन प्लान चुनें दंपति के लिए, जो अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं, अपनी जमीन छोड़ने का मतलब अपने बेटे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक मूल्यवान संपज़ि का त्याग करना है।

अपने सीमित संसाधनों के साथ, दंपति को अब अपने स्वयं के खर्चों का प्रबंधन करते हुए अपने मेडिकल पाठ्यक्रम के शेष वर्षों के विज़पोषण की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। धुसारी गांव एसएचजी की सदस्य अरफा माझी, जिन्होंने उन्हें 12,000 रुपये उधार दिए थे, ने कहा कि समूह ने माता-पिता की परेशानी को देखने के बाद विज़ीय सहायता बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, माता-पिता का दुख देखकर हमने उन्हें उनके पेंशन कार्ड के बदले पैसे दिए। नागाटालु के लिए, अपने बेटे को मेडिकल सीट सुरक्षित देखने का गर्व, आगे आने वाली विज़ीय चुनौतियों पर चिंता के साथ है। उन्होंने कहा, हम अपने बेटे के लिए खुश हैं, लेकिन खर्च हमारे लिए चिंता का विषय बन गया है। सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाना जहां सुशांत के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है, वहीं यह एक लंबी और महंगी यात्रा की शुरुआत भी है। आवास और भोजन से लेकर किताबें, यात्रा और अन्य शैक्षिक आवश्यकताओं तक, परिवार को उसके पाठ्यक्रम के दौरान धन की व्यवस्था करनी होगी। कठिनाइयों के बावजूद, केपंगा और नागातालु अपने बेटे को चिकित्सा शिक्षा पूरी करते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। दंपति को उज़्मीद है कि उनका बलिदान एक दिन फल देगा जब सुशांत डॉज़्टर बनेंगे और जरूरतमंदों की सेवा करेंगे।

शराब के नशे में मां-बाप ने 6 महीने के बच्चे की ले ली जान

कटक ०२/११ (संवाददाता): ओडिशा के कटक में चौद्वार थाना व्याघ्रवाहिनी मैदान के पास मौजूद आदिवासी बस्ती में एक दुखद घटना घटी है। शराब के नशे में धुत होकर मां.बाप ने अपने 6 महीने के बेटे को मार डाला। इसके बादए उसे सुनसान जगह पर दफ्ना दिया।

थाने में मिली शिकायत के बाद चौद्वार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने लाश को बरामद किया। अब पुलिस ने घटना की छानबीन में शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसारए सोमवार को आदिवासी बस्ती के राजू हेंब्रम और संभारी हेंब्रम अपने तीन दोस्तों के साथ घर के अंदर बैठकर देर रात तक शराब पी रहे थे।

अधिक नशा होने के बाद दोनों वहां सोये हुए 6 महीने के बच्चे के ऊपर चढ़ गए।इसके बारे में दोनों को उस वक्त पता नहीं चलाए लेकिन मंगलवार की सुबह जब नशा उतरा तो दोनों ने अपने बेटे को मृत पाया। ऐसे में पति.पत्नी ने हड़बड़ी में आकर बच्चे की लाश को एक सुनसान जगह पर ले जाकर मिट्टी खोदकर उसे दफ्न कर दिया। इस संबंध में पड़ोस के लोग और कुछ युवाओं को जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत चौद्वार थाना को इस बारे में खबर दी। थाना अधिकारी विश्व रंजन साहू ने मौके पर पहुंचने के बाद साइंटिफ्कि टीम को बुलाया। साइंटिफ्कि टीम भी मौके पर पहुंच कर घटना की अधिक छानबीन में जुट गई है। बाद में मजिस्ट्रेट पहुंचने के बाद मिट्टी के नीचे से दफ्नाए गए 6 महीने के बच्चे के लाश को निकाला गया और उसे पंचनामा करने के लिए कटक बड़ा मेडिकल को भेजा गया। पुलिस बच्चे की मां.बाप से अधिक पूछताछ में जुटी है। इसको लेकर एक मामला भी दर्ज की गई है। उधर जगतसिंहपुर जिले के तिर्तोल थाना क्षेत्र के शिरस्ता गांव में दो लोगों की रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। आशंका जताई जा रही है कि दोनों की मौत फूड प्वाइजनिंग या ड्रिंक की वजह से हुई है।

मृतकों की पहचान शिरस्ता गांव के विभूति सामल और गोपबंधु सामल के रूप में हुई है। दोनों रिश्तों में चाचा.भतीजे हैं। बीती रात खाना खाने के बाद दोनों को सीने और पेट में दर्द की शिकायत हुई।दोनों को पहले पाटकुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें केंद्रापड़ा जिला मुज़्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

संबलपुर में तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

संबलपुर ०२/११ (संवाददाता): संबलपुर जिला के रेढ़ाखोल आबकारी टीम ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिला के दो और ओडिशा के कटक जिला के दो तस्करों को 32 किलो गांजा और एक टाटा इंडिगो कार के साथ गिरज़्तार किया। यह चारों आरोपित बऊद जिला से गांजा लेकर रेढ़ाखोल के रास्ते पश्चिम बंगाल जा रहे थे।

चारों के खिलाफ एनडीपीएस एज़्ट के तहत अपराध दर्ज कर बुधवार के दिन न्यायिक हिरासत में रेढ़ाखोल उपकारा भेज दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए रेढ़ाखोल आबकारी इंस्पेज़्टर जाधव पधान ने बताया कि मंगलवार की आधी रात जब आबकारी टीम गश्ती पर निकली थी तभी रेढ़ाखोल थाना अंतर्गत बिशीपाली चौक के निकट बऊद जिला के ओर से आती सफेद रंग की एक टाटा इंडिगो कार को रोककर तलाशी ली तब दो बड़े प्लास्टिक बैग में भर्ती 32 किलो गांजा मिला। ऐसे में कार में सवार चार व्यक्ति को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ के बाद बुधवार के दिन चारों को गिरज़्तार कर लिया गया।

29वें वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ, उद्घाटन संध्या में ओडिसी, बोडो लोक नृत्य और जनजातीय नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

राउरकेला ०२/११ (संवाददाता): पांच दिवसीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव-2026 के 29वें संस्करण का शुभारंभ 1 नवंबर 2026 को राउरकेला स्थित भंज भवन के मुक्ताकाश मंच पर उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। यह महोत्सव शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन, लोक एवं जनजातीय कला-संस्कृति को समर्पित है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष का महोत्सव पद्म विभूषण गुरु केलुचरण महापात्र की जन्म शताज़्दी समारोह को समर्पित है। गुरु केलुचरण महापात्र भारतीय शास्त्रीय नृत्य जगत की एक महान विभूति थे, जिन्होंने ओडिसी नृत्य को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने में अविस्मरणीय योगदान दिया। इस अवसर पर सेल, राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के निदेशक प्रभारी श्री आलोक वर्मा मुज़्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीपिका महिला संघति की अध्यक्षा श्रीमती नम्रता वर्मा तथा आरएसपी के कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एवं भंज कला केंद्र के मुज़्य संरक्षक श्री सुदीप पाल चौधरी सज़्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भंज सांस्कृतिक ट्रस्ट के न्यासीगण तथा आरएसपी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए श्री आलोक वर्मा ने पिछले 29 वर्षों से इस प्रतिष्ठित महोत्सव की निरंतरता बनाए रखने के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कला एवं संस्कृति के संवर्धन के प्रति आरएसपी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि क्षेत्र के सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध बनाने वाली ऐसी पहलों



को संयंत्र का निरंतर सहयोग मिलता रहेगा। श्री वर्मा ने गुरु केलुचरण महापात्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि ओडिसी नृत्य के इस महान पुरोधा ने पूर्व में वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव में अपनी प्रस्तुति दी थी।

इस अवसर पर श्री पाल चौधरी ने वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव की गौरवशाली विरासत तथा शहर एवं राज्य के सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व, गणमान्य अतिथियों ने भगवान जगन्नाथ के समक्ष श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ भंज कला केंद्र के युवा विद्यार्थियों द्वारा गुरु श्रीमती बीनापाणि रथ के निर्देशन में ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुआ।

इसके पश्चात भंज कला केंद्र के कलाकारों ने पद्मश्री गुरु दुर्गा चरण रणबीर द्वारा नृत्य-रचित तथा गुरु नीलाद्रि महंती द्वारा निर्देशित मनमोहक ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। 'भो शंभू' और 'मन उद्धारणा' की प्रस्तुतियों में ओडिसी नृत्य की मनोहारी भाव-भंगिमाओं, जटिल पद संचालन एवं भावपूर्ण कथात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन हुआ। केंद्र के कनिष्ठ कलाकारों ने आध्यात्मिक वातावरण का सृजन करते हुए मधुर मंगलाचरण के रूप में 'शांताकारं भुजगशयनज़' प्रस्तुत किया। संध्या को लोक कला के रंगों से सराबोर करते हुए असम के 'सनाठी खराई' दल के कलाकारों ने गुरु कृष्ण खेराई स्वर्गियारी के नेतृत्व में पारंपरिक बोडो लोकनृत्य 'लोक खेराई' प्रस्तुत किया, जिसमें क्षेत्र की रंग-बिरंगी सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली। इसके बाद सुंदरगढ़ के 'गुरु गोमके सांस्कृतिक संघ' के कलाकारों ने जोशपूर्ण जनजातीय नृत्य प्रस्तुत किया। थिरकते संगीत, ऊर्जावान नृत्य मुद्राओं और आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का समन्वय आरएसपी के मुज़्य महाप्रबंधक प्रभारी (अनुरक्षण) एवं अध्यक्ष, भंज कला केंद्र, श्री एस एस रॉयचौधरी, आरएसपी के मुज़्य महाप्रबंधक (कॉन्ट्रैज़्ट्स सेल), एवं उपाध्यक्ष, भंज कला केंद्र, श्री आलोक कुमार बेहरा तथा महासचिव, भंज कला केंद्र, श्री राधाकृष्ण महापात्र ने किया। संध्या के कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (एसएमएस-ढुढ्), आरएसपी, श्री शशांक शेखर पटनायक ने किया। ओडिशा के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक विशिष्ट स्थान रखने वाला यह महोत्सव भंज कल्चरल ट्रस्ट की सांस्कृतिक इकाई भंज कला केंद्र द्वारा आयोजित किया जाता है। भंज कला केंद्र राज्य के अग्रणी सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों में से एक है।